सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 16 अंक - 20 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 03 नवंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

फर्नेस प्लांट के भट्टी में कूदकर युवक ने की आत्महत्या

रायगढ़। पूंजीपथरा थाना अंतर्गत रूपना धाम फर्नेस प्लांट में एक युवक ने भट्टी में कूदकर आत्महत्या कर ली। युवक का नाम सुरेंद्र चौहान धरमजयगढ़ के क्रोधा गांव का निवासी बताया जा रहा है जो कि प्लांट में फर्नेस ऑपरेटर के रूप में काम करता था। घटना के बाद मृतक के परिजन प्लांट पहुंचे और काफी हंगामा किया। परिवार वालों ने प्लांट प्रबंधन पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। आपको बता दें कि कुछ दिन पहले भी पूंजीपथरा थाना अंतर्गत प्लांट में एक युवक ने भी भट्टी में कूदकर अपनी जान दे दी थी। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुटी हुई है।

छत्तीसगढ़ का स्थापना दिवसः एमपी के सीएम करेंगे शुभारंभ

4-6 नवम्बर तक नया रायपुर में राज्योत्सव का भव्य आयोजन

समापन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे उपराष्ट्रपति धनखड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस राज्योत्सव 2024 के आयोजन को लेकर तैयारियां जोर-शोर से जारी है। तीन दिवसीय राज्योत्सव का भव्य आयोजन 4 नवम्बर से 6 नवम्बर तक राज्योत्सव स्थल, नया रायपुर अटल नगर में होगा। राज्योत्सव स्थल में मुख्य मंच से लेकर पूरे परिसर की साज-सज्जा का काम तेजी से कराया जा रहा है। शासकीय योजनाओं एवं उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार के लिए सभी विभागों के अधिकारी अपने-अपने विभाग का प्रदर्शनी स्टॉल लगाए जाने की तैयारी में जुटे हैं।

राज्य स्थापना दिवस राज्योत्सव 2024 का उद्घाटन 4 नवम्बर को संध्या 6 बजे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णु देव साय करेंगे। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि होंगे। राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में 5 नवम्बर को राज्योत्सव के कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। राज्य अलंकरण समारोह एवं राज्योत्सव का समापन 6 नवम्बर को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के मुख्य आतिथ्य में होगा। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि होंगे।

राज्योत्सव के तीन दिवसीय कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री द्वय अरूण साव एवं विजय शर्मा, मंत्री रामविचार नेताम, दयाल दास बघेल, केदार कश्यप, लखनलाल देवांगन, श्याम बिहारी जायसवाल, ओपी चौधरी, लक्ष्मी राजवाड़े एवं टंकराम वर्मा, नेताप्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक राजेश मूणत, पुरन्दर मिश्रा, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, गुरू खुशवंत साहेब, इन्द्र कुमार साहू एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि होंगे।

राज्योत्सव में ख्याति प्राप्त कलाकार रंगारंग और मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां देंगे। 4 नवम्बर को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरूआत संध्या 4.30 बजे से होगी। बालीवुड के प्रसिद्ध पार्श्व गायक शांतुन मुखर्जी (शानु) की प्रस्तुति रात्रि 7.45 बजे से होगी। इससे पूर्व रिखी क्षत्रीय की टीम द्वारा 12 लोक नृत्य की झलकियां, मोहन चौहान एवं साथी द्वारा आदिवृंदम, सुनील सोनी एवं टीम द्वारा क्षेत्रीय नृत्य संगीत तथा विद्या वर्चस्वी द्वारा नाम रामायण की प्रस्तुति दी जाएगी। इसी तरह 5 नवम्बर को राज्योत्सव में संध्या 5 बजे से पुरानिक साहू द्वारा सांस्कृतिक लहर गंगा, सुरेन्द्र साहू, भोला यादव एवं साथियों द्वारा लोक धुन, मोहन नायडू एवं साथियों द्वारा द मून लाईट रागा, राजेश अवस्थी, आरू साहू एवं नीति मोहन की प्रस्तुति होगी। 6 नवम्बर को सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत अनुराग शर्मा द्वारा अनुराग स्टार नाईट, मनोज प्रसाद द्वारा इंडियाज गॉट टैलेंट मल्लखंभ, सवि श्रीवास्तव द्वारा जादू बस्तर एवं पवनदीप एवं अरूनिता के पार्श्व गायन की प्रस्तुति होगी।

राज्योत्सव के दौरान छत्तीसगढ़ शासन के सभी विभागों द्वारा राज्योत्सव स्थल पर भव्य एवं आकर्षक प्रदर्शनी लगाई जाएगी। यहां शिल्प ग्राम बनाया जा रहा है, जहां छत्तीसगढ़ के विविध शिल्प प्रदर्शन एवं विक्रय के लिए उपलब्ध होंगे। राज्योत्सव स्थल परिसर में शासकीय विभागों की प्रदर्शनी के लिए विशाल हैंगर (डोम) बनाए गए हैं। हैंगर-एक एवं दो में शासकीय विभागों के स्टॉल लगेंगे, जबकि हैंगर-तीन में वाणिज्यिक संस्थान अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाएंगे। हैंगर-चार में पब्लिक सेक्टर के संस्थानों की प्रदर्शनी लगेगी। राज्योत्सव में शिल्प ग्राम, फूड कोर्ट और मीना बाजार आम लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र होंगे।

श्रमिकों के लिए साय सरकार की नई पहल

गंभीर रोगों का इलाज अब होगा आसान

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ में श्रमिकों को अब कैंसर, किडनी जैसे गंभीर रोगों के इलाज के लिए बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। अब श्रमिक औषधालयों से सीधे अनुबंधित निजी अस्पतालों में कैशलेस रेफरल के तहत इलाज करवा सकेंगे। इसके साथ ही बिलासपुर में नया 100 बिस्तर वाला अस्पताल खोलने की योजना भी तैयार की जा रही है, जिसके लिए राज्य सरकार जल्द ही जमीन उपलब्ध कराएगी।

कोरबा, रायगढ़ और बिलासपुर के क्षेत्रों को मिलाकर कर्मचारी राज्य बीमा निगम का उप-क्षेत्रीय कार्यालय खोला जाएगा। यह कदम श्रमिकों को बीमा संबंधी सेवाएं आसान और सुलभ रूप से प्रदान करने के लिए उठाया गया है। पूरे प्रदेश में कर्मचारी राज्य बीमा योजना का विस्तार किया जा चुका है, और इस संबंध में श्रममंत्री लखनलाल देवांगन ने हाल ही में राज्य बीमा निगम की क्षेत्रीय परिषद की बैठक भी ली थी। वहीं, रायपुर और कोरबा के अस्पतालों को तीन महीने के भीतर 50 से बढ़ाकर 100 बिस्तर वाले अस्पताल में उन्नत किया जाएगा। इसके अलावा, लारा और खरसिया के अस्पतालों को नवंबर तक शुरू करने की योजना है। भिलाई और रायगढ़ के 100 बिस्तर वाले अस्पतालों में मरीजों की सुविधा के लिए मेटरनिटी वार्ड, एक्स-रे, ऑपरेशन थियेटर और लैबोरेटरी जैसी सुविधाएं भी शुरू की जाएंगी। कोरबा और रायपुर के अस्पतालों में आने वाले मरीजों के लिए सार्वजनिक परिवहन सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे श्रमिकों को अस्पताल पहुंचने में सहूलियत हो।

वहीं, कोविड राहत योजना के अंतर्गत 386 बीमित व्यक्तियों के दावों को मंजूरी दी गई है और मार्च 2024 तक 16.21 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया। इसके अतिरिक्त, उद्योगों और संस्थाओं में पंजीकृत बीमित व्यक्तियों को बीमारी हित लाभ, स्थायी अपंगता पेंशन, मातृत्व अवकाश और अन्त्येष्टि व्यय जैसी सुविधाओं के तहत वर्ष 2023-24 में 33.04 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है।

4 प्रतिशत महंगाई भत्ता की सौगात मिलने के बाद छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी संयुक्त मोर्चा के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात कर राज्य के कर्मचारियों के लिए चार प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) की घोषणा पर उनके प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं, लंबे अरसे से सूबेदार, उप निरीक्षक और प्लाटून कमांडर परीक्षा के रिजल्ट का इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों को साय सरकार ने दिवाली की सौगात देते हुए बड़ी खुशखबरी दी है। इस परीक्षा में 959 युवाओं का चयन सूबेदार, उप निरीक्षक और प्लाटून कमांडर के पदों पर हुआ है। परीक्षाफल घोषित होने से उत्साहित अभ्यर्थियों ने नवा रायपुर सर्किट हाउस में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात कर उनके प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने मुख्यमंत्री साय को फूलों की माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

सीएम साय ने चुनाव से पहले ही बेरोजगार युवाओं से वादा किया था कि अगर वो सत्ता में आए तो सरकारी नौकरी का द्वार खोल देंगे। सत्ता में आने के बाद उन्होंने ऐसा ही किया है। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने पुलिस विभाग के 341 पदों पर भर्ती निकाली है, जिनमें सूबेदार, उप निरीक्षक, उप निरीक्षक (विशेष शाखा), और प्लाटून कमांडर के पद शामिल हैं।

खुशियों से भर दी सबकी झोली

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सत्ता पर आसीन होने के बाद से ही प्रदेश की जनता से किए एक-एक वादे को पूरा करने में जुटे हुए हैं। सबसे पहले सीएम साय ने गरीबों को पक्का आवास देने का फैसला किया और फिर उन्होंने महतारियों का मान बढ़ाने का काम करते हुए 'महतारी वंदन योजना' की शुरुआत की जो आज के समय में महिलाओं के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रही है। वहीं, अब बात करें दिवाली की सौगातों की तो साय सरकार ने सरकारी कर्मचारियों से लेकर युवाओं तक सबकी झोली खुशियों से भर दी है। एक ओर जहां साय सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी करते हुए 50 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता भुगतान करने का फैसला लिया तो दूसरी ओर पिछले 6 साल लंबित एसआई भर्ती का रिजल्ट जारी कर युवाओं के चेहरे पर दिवाली की सबसे बड़ी सौगात दी है। सौगातों की कड़ी यहीं खत्म नहीं हो रही है। साय सरकार ने सरकारी नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए कई पदों पर भर्ती भी निकाली है।

बगिया में खिलाया फूल

मुख्यमंत्री साय ने बगिया स्थित निवास कार्यालय में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों मुलाकात की और उन्हें दीपावली के उपहार के साथ शुभकामनाएं दी। इस बीच हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री श्री साय की पूरे आदरभाव से खुशहाली और सुख-समृद्धि की कामना की और उन्हें इस दौरान उपहार स्वरूप धान की बाली दी। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने यहां पर हितग्राही तिलासो बाई से मिट्टी के बने कलश और दीये भी खरीदे। वहीं माटी कला बोर्ड की तरफ से सीएम ने इलेक्ट्रिक चाक भी प्रदान किए। जिसकी मदद से इस हितग्राही ने दिया समेत कई सहित अन्य समानों का भी निर्माण किया। इस बीच मुख्यमंत्री से मिलने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही परिवार के नवीता पैंकरा, हितग्राही तिलासो बाई, रजनी चौहान, अमृता बाई, नवीता पैंकरा और कुमारी शशि चौहान ने आवास योजना का लाभ मिलने पर प्रसन्नता जाहिर की। मुख्यमंत्री के विशेष पहल से हितग्राहियों ने आवास मिलने पर सीएम का आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि दीपावली पर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय अपने गृहमंत्री बगिया पहुंचे थे।

पर्यावरण क्या केवल सरकार की जिम्मेदारी?

श्रीकंचनपथ

दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एयर क्वालिटी इंडेक्स) में गिरावट जारी है। दीवाली के दो दिन बाद रविवार को राजधानी का एक्यूआई 500 के पार पहुंच गया। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित सीमा से 65 गुना अधिक खतरनाक है। एक्यूआई को 200-300 के बीच 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बहुत खराब', 401 और 450 के बीच गंभीर और 450 से ऊपर 'अति गंभीर' माना जाता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड हर घंटे प्रदूषण से जुड़े आंकड़े 'समीर एप' पर अपडेट कर रहा है। इन आंकड़ों पर खूब बहस भी हो रही है। पर इसे केवल बहस तक ही सीमित रह जाना है। क्योंकि अब लोगों को धर्म, आस्था और जिद के बीच का फर्क समझ में नहीं आता। भारत गांवों का देश रहा है। गांव में आबादी का घनत्व कम होता है। इतने पैसे भी नहीं होते कि हजारों रुपए पटाखों पर स्वाहा कर दिये जायें। पारम्परिक रूप से दीपावली प्रकाश, नए वस्त्र, पकवान और सपरिवार खुशी का पर्व है। पहले दुर्गा पूजा से लेकर भाईदूज तक स्कूलों की छुट्टियां होतीं थीं। लोग सपरिवार गांव जाते थे। सीमित साधनों के बीच भी लोग खूब खुश रहते थे। अब तस्वीर बदल चुकी है। शहरों की सघन आबादी और छुट्टियों की किल्लत ने दीपावली का स्वरूप भी बदला है। धर्म और आस्था के नाम पर लोग खूब आतिशबाजी कर रहे हैं। साथ ही प्रदूषित कर रहे हैं उसी पर्यावरण को जिसमें वो खुद सांस लेते हैं। इस बारे में कोई बात तक करना मुश्किल है। इस बार तो हद ही हो गई। लोगों ने रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमास का उदाहरण देना शुरू कर दिया। लोग पूछने लगे, वो चाहें जितने रॉकेट दागें, बम फोड़ें हम आतिशबाजी भी नहीं कर सकते? इससे ज्यादा बेतुकी बात हमने कभी नहीं सुनी। युद्ध से किसी त्यौहार की तुलना नहीं की जा सकती। वैसे भी हवा को साफकिसके लिए रखना है? खुद अपने लिये। दीपावली का पटाखों से वैसे भी कोई खास लेना देना नहीं है। इसका कोई धार्मिक महत्व भी नहीं है। हालांकि पटाखे जैसे किसी रसायन का जिक्र कौटिल्य के अर्थशास्त्र में मिलता है पर इसके ठोस प्रमाण 15वीं शताब्दी के आसपास मिलते हैं। माना जाता है कि इसकी उत्पत्ति चीन में हुई जो सिल्क रूट से होकर यूरोप, मध्य एशिया होते हुए भारत पहुंची। जब दीपावली की नींव पड़ी तक एक अग्निबाण हासिल करने के लिए वर्षों तपस्या करनी पड़ती थी। अब जिसके पास पैसा है उसके पास अग्निबाणों का पूरा तर्कश है। इन पटाखों को रंग-बिरंगा करने के लिए इनमें धातुओं और रसायनों का प्रयोग किया जाता है। इनके कण हवा में काफी देर तक बने रहते हैं। ठंड में हवा ठंडी होने के कारण ये धरती की सतह के आसपास ही बनी रहती हैं। यह कोई व्यक्तिगत स्वतंत्रता का मामला नहीं है। यह सामुदायिक स्वास्थ्य का मामला है। आपका यह शौक अब दूसरों की जान का दुश्मन बन चुका है।

संपादकीय

चुनाव में हार से बहुत डरते हैं नेता

किसी भी पार्टी का कोई नेता चुनाव लड़ता है तो वह जीतने के लिए लड़ता है,वह पूरी कोशिश करता है कि जीते तो वही जीते,कई लोग चुनाव मैदान में होते हैं तो सभी लोग चुनाव जीतने के लिए बहुत कुछ करते हैं।सब एक दूसरे की छवि खराब करने का पूरा प्रयास करते हैं। कोई कहता है कि वह तो बाहरी है, उसे चुनाव में टिकट मिलना ही नहीं चाहिए लेकिन आलाकमान का करीबी होने के कारण टिकट दी गई है। कोई कहता है उसे तो पार्टी ने शहर के लोगों पर थोप दिया है, कई योग्य लोग थे विधानसभा क्षेत्र में लेकिन उनको योग्य समझा नहीं गया और योग्य समझा किसे गया जिसने कभी चुनाव ही नहीं लड़ा है ऐसा प्रत्याशी तो हारेगा ही, हारेगा तो कहा जाएगा पार्टी के लोगों ने ही हरा दिया।

> ***कांग्रेस में कहा ही जाता है कांग्रेस को चुनाव में कांग्रेस ही हराती है।कई चुनाव में ऐसा हो चुका है, इस चुनाव में हो जाए तो क्या आश्चर्य। जो होता आया है, वह कई बार हो सकता है, इस बार भी हो सकता है।ऐसे में राजनीतिक दल क्या करते हैं। वह खुद की जीत के लिए सकारात्मक प्रयास तो करते हैं साथ ही अपने मजबूत विरोधी दल के प्रत्याशी की छवि बिगाड़ने का प्रयास करते हैं ताकि उसे लोग वोट न दें और वह चुनाव हार जाए।यानी अपनी जीत के लिए प्रयास कम, दूसरे की हार के लिए प्रयास ज्यादा।सीधा गणित है कि मजबूत विरोधी हारेगा तो कमजोर प्रत्याशी जितेगा।***

कई दलों के नेताओं के पास तो इसके लिए नए नए आइडिया होते हैं।जब वह बाहर आते हैं तो कुछ लोगों को हंसी आती है कि इस वीडियो को जारी करने की क्या जरूरत थी और कुछ लोगों को बुरा लगता है कि चुनाव के वक्त वह वीडियो जारी किया गया है जिससे चुनाव में प्रत्याशी को नुकसान हो सकता है।जिस किसी ने उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी का मौलाना को चूमने वाला वीडियो प्रसारित किया है।उसका मकसद चुनाव में सुनील सोनी को नुकसान पहुंचाना है।हिंदुओं को बताना है कि देखो अपने नेता को राजनीति के लिए मौलाना को चूम रहे हैं ताकि हिंदू नाराज होकर सुनील सोनी को वोट न दें।

वहीं मुसलमानों को बताना है कि देखो, यह तुम्हारे वोट के लिए ऐसा भी कर सकते हैं, इन पर भरोसा मत करना ।वहीं पार्टी के प्रदेश से लेकर दिल्ली तक के नेताओं को बताना है कि आप लोगों ने कैसे नेता को प्रत्याशी बनाया है, जो मौलाना को चूम रहा है।वैसे भी आमतौर पर माना जाता है कि भाजपा मुस्लिम विरोधी है। वैसे भी माना जाता है कि मुसलमान तो भाजपा को वोट देता ही नहीं है। ऐसे में तो कई कट्टर हिंदुओं को मौलाना को चूमने वाला वीडियो तो पार्टी विरोधी कृत्य जैसा लग सकता है।वह सुनील सोनी से नाराज हो सकते हैं, उनके मन में सवाल पैदा हो सकता है कि सुनील सोनी को ऐसा करने की जरूरत क्या थी,जब वीडियो बनाया जा रहा था तो सुनील सोनी को ऐसा करने से बचने की कोशिश करनी थी।

जब किसी ने वीडियो बनाया तब सुनील सोनी ने क्या कहा नहीं मालूम लेकिन वीडियो जारी होने के बाद उन्होंने जो कुछ कहा, उससे तो वह फंस गए हैं, लोग मानने को मजबूर हो गये हैं कि सुनील सोनी ने झूठ कहा कि यह वीडियो फेक है। कांग्रेस के खेमे से सुनील सोनी की मौलाना को चूमने का वीडियो वाला दांव चला ही सुनील सोनी को फंसाने के लिए गया था। कांग्रेस वाले जानते थे कि सुनील सोनी व भाजपा इसे झूठलाने का पूरा प्रयास करेंगे। सुनील सोनी व भाजपा ने वैसा ही किया जैसा कांग्रेस चाहती थी, उसके बाद कांग्रेस की तरफ से उस मौलाना को जनता के सामने ला खड़ा कर दिया जो कह रहा है कि यह वीडियो असली है।

इससे हुआ क्या,सुनील सोनी को न चाहकर भी झूठ बोलना पड़ा और कांग्रेस को साबित करने का मौका मिल गया कि देखो सुनील सोनी झूठ बोल रहे हैं।भले ही हारने के डर से सुनील सोनी को झूठ बोलना पड़ा लेकिन कांग्रेस को साबित करना था कि सुनील सोनी झूठ बोलते है, उसने साबित कर दिया।चुनाव के दौरान भाजपा नेताओं को जो कुछ कहना है बहुत सोच समझ कर कहना होगा। अभी बृजमोहन अग्रवाल की तरफ से कहा गया था कि उनके विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए पांच हजार करोड़ खर्च किए गए हैं। कांग्रेस ने इसे दोनों हाथों से पकड़ लिया है और भाजपा के साथ ही बृजमोहन अग्रवाल से भी सवाल पूछ रही है कि पांच हजार करोड़ कहां खर्च हुए हिसाब दो। और भाजपा जवाब नहीं दे पा रही है।जवाब नहीं दे पाने का मतलब क्या होता है, सब जानते हैं।

नजरिया

सरदार पटेल विशेषः एकता और वफादारी के प्रतीक 'लौह पुरुष'

'लौह पुरुष'- एक ऐसी शख्सियत, जिनकी दूरदर्शिता और अदम्य इच्छाशक्ति आज भी भारत के एकीकरण की कहानी बयां करती है। यह लेख सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, उनकी ओर से भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका और आधुनिक भारत के निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डालता है। पटेल को 'भारत के लौह पुरुष' के रूप में जाना जाता है। पटेल ने भारत के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और 500 से अधिक रियासतों को भारतीय संघ में मिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

वल्लभभाई झावेरभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर, 1875 को गुजरात के नडियाद गांव में एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। कठोर परिश्रम, अनुशासन और आत्मनिर्भरता जैसे गुण, जो बाद में उनके नेतृत्व और सेवा के दृष्टिकोण को परिभाषित करते थे, उनके बचपन से ही दिखाई देने लगे थे। वल्लभभाई अपने पिता झावेरभाई पटेल से ही प्रेरित होकर देशभक्ति के जज्बे से लबालब हो गए। उनके पिता झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की सेना में सेवा की थी। इन शुरुआती अनुभवों ने न्याय, सम्मान और लचीलापन के प्रति एक मजबूत प्रतिबद्धता को बढ़ावा दिया।

इंग्लैंड में कानून की पढ़ाई की

पटेल ने शुरुआत में स्थानीय स्कूलों में शिक्षा प्राप्त की और बाद में इंग्लैंड में कानून की पढ़ाई की। भारत लौटने पर उन्होंने अहमदाबाद में एक सफल वकील के रूप में खुद को स्थापित किया। कानूनी क्षेत्र में उनके अनुभव ने बहस, बातचीत और भाषण कला में उनके कौशल को तेज किया, जिससे उन्हें आगे चलकर भारत के स्वतंत्रता संग्राम में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए तैयार किया गया। हालांकि, यह 1918 के खेड़ा सत्याग्रह के दौरान महात्मा गांधी के साथ उनकी बातचीत थी जिसने एक सफल वकील से एक समर्पित स्वतंत्रता सेनानी में उनके परिवर्तन को गति दी। गांधी के अहिंसा के सिद्धांतों और भारत की स्वतंत्रता के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता ने पटेल को बहुत प्रभावित किया, जिससे उन्हें पूरे दिल से संघर्ष में शामिल होने की प्रेरणा मिली।

कांग्रेस के सबसे भरोसेमंद नेताओं में से एक

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में वल्लभभाई पटेल की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण थी, और वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सबसे भरोसेमंद नेताओं में से एक के रूप में उभरे। एक स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उनकी यात्रा को 1918 के खेड़ा सत्याग्रह के साथ गति मिली, जहां उन्होंने महात्मा गांधी के साथ एक सफल विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। बाढ़ और अकाल से प्रभावित खेड़ा क्षेत्र को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, फिर भी ब्रिटिश अधिकारियों ने भू-राजस्व संग्रह को माफ करने से इनकार कर दिया। पटेल के मार्गदर्शन में खेड़ा के किसानों ने असहयोग और अवज्ञा का एक अभियान चलाया, जिसके कारण अंततः करों को निलंबित कर दिया गया, जिससे एकता और अहिंसा की शक्ति का पता चला।

बारदोली सत्याग्रह में महत्वपूर्ण भूमिका

इसके बाद, पटेल 1928 के बारदोली सत्याग्रह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बारदोली में किसानों पर अत्यधिक भूमि कर का बोझ था जिसे वे खराब फसल के कारण वहन नहीं कर सकते थे। पटेल के दृढ़ नेतृत्व में, किसानों ने एक अहिंसक आंदोलन शुरू किया, करों का भुगतान करने से इनकार कर दिया और ब्रिटिश वस्तुओं और सेवाओं का सामूहिक बहिष्कार किया। आंदोलन की सफलता ने पटेल को 'सरदार' (नेता) की उपाधि दिलाई, जो लोगों के उनके मार्गदर्शन और साहस के प्रति सम्मान को दर्शाता है।

इन आंदोलनों में रहे शामिल

उनकी भूमिका ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को परिभाषित करने वाले प्रमुख आंदोलनों तक विस्तार किया, जिसमें 1930 में नमक मार्च और 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन शामिल थे। अन्य नेताओं के साथ, पटेल के प्रयासों ने स्वतंत्रता आंदोलन के जनाधार को मजबूत किया, और उन्होंने जमीनी स्तर पर समर्थन जुटाने, अनुशासन बनाए रखने और आम नागरिकों में उद्देश्य की भावना पैदा करने में खुद को कुशल साबित किया। उनकी मजबूत संगठनात्मक क्षमताओं और कार्य के प्रति समर्पण ने उन्हें कांग्रेस के भीतर एक अनिवार्य व्यक्ति और महात्मा गांधी के एक विश्वसनीय सहयोगी बना दिया।

'भारत के लौह पुरुष' की उपाधि कैसे मिली?

सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपने दृढ़ संकल्प, अडिग इच्छाशक्ति और नेतृत्व के प्रति सैद्धांतिक दृष्टिकोण के कारण 'भारत के लौह पुरुष' की उपाधि अर्जित की। अपने पूरे राजनीतिक जीवन में, पटेल ने स्वतंत्रता संग्राम और स्वतंत्रता के बाद के शासन दोनों की चुनौतीपूर्ण मांगों को पूरा करने के लिए आवश्यक शक्ति और लचीलापन का उदाहरण दिया। नेतृत्व के प्रति उनका दृष्टिकोण व्यावहारिक था फिर भी समझौता न करने वाला था; उन्होंने व्यक्तिगत या राजनीतिक हितों से ऊपर राष्ट्र के कल्याण को रखा, कठिन निर्णय लिए जिनके लिए सहानुभूति और सिद्धांतों के सख्त पालन के संतुलन की आवश्यकता थी।

पटेल में क्या खास था?

पटेल की एक परिभाषित विशेषता अधिकार के साथ सहानुभूति को संयोजित करने की उनकी क्षमता थी। वह ग्रामीण आबादी के संघर्षों की अपनी गहरी समझ के लिए जाने जाते थे और आम लोगों को सशक्त बनाने के लिए लगातार काम करते थे। बारडोली सत्याग्रह जैसी घटनाओं के दौरान उनके नेतृत्व ने न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और वंचितों की ओर से दमनकारी ताकतों के खिलाफखड़े होने की उनकी इच्छा को रेखांकित किया। हालांकि, पटेल ने अनुशासन और व्यवस्था की भावना को भी बरकरार रखा, इस बात पर जोर देते हुए कि ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता के कारण भारत को आंतरिक कलह या अव्यवस्था से ग्रस्त होने के बजाय एक स्थिर और समृद्ध भारत बनना चाहिए।

पटेल ने खुद को दूरदर्शी नेता साबित किया

अपनी प्रशासनिक भूमिकाओं में, पटेल ने खुद को एक सक्षम और दूरदर्शी नेता साबित किया, जो अक्सर सकारात्मक परिणाम लाने के लिए चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कदम रखते थे। जवाबदेही और दक्षता पर जोर देते हुए एक ऐसी प्रणाली का निर्माण करते हुए, भारतीय नौकरशाही को आकार देने में उनका महत्वपूर्ण योगदान था। भारत के पहले उप प्रधान मंत्री और गृह मंत्री के रूप में, पटेल कई महत्वपूर्ण नीतियों के लिए जिम्मेदार थे जिन्होंने एक एकीकृत और कार्यात्मक लोकतांत्रिक राज्य की नींव रखी। शासन के प्रति उनका दृष्टिकोण कठोर और समावेशी दोनों था, जो एकता और प्रतिबद्धता के स्तर को मूर्त रूप देता है जो पीढ़ी दर पीढ़ी नेताओं को प्रेरित करता रहता है।

500 से अधिक रियासतों को भारतीय संघ में मिलाया

सरदार वल्लभभाई पटेल की सबसे असाधारण उपलब्धियों में से एक स्वतंत्रता के बाद 500 से अधिक रियासतों का भारतीय संघ में उनका सफल एकीकरण था-अत्यधिक जटिलता का कार्य जिसके लिए कूटनीति और दृढ़ नेतृत्व दोनों की मांग थी। 1947 में स्वतंत्रता के समय, अंग्रेजों ने इन रियासतों को भारत या पाकिस्तान में शामिल होने या स्वतंत्र रहने का विकल्प दिया। इसने भारत की एकता के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती पेश की, क्योंकि हैदराबाद, जूनागढ़ और जम्मू और कश्मीर जैसे कुछ राज्यों ने स्वतंत्रता या पाकिस्तान के साथ गठबंधन करने पर विचार किया, जिससे देश के अलग-अलग क्षेत्रों में बंटवारे का खतरा था।

राजनयिक दृष्टिकोण काफी सफल रहा

भारत के पहले गृह मंत्री और रियासत मंत्री के रूप में, पटेल ने रणनीतिक दूरदर्शिता, अनुनय और, जब आवश्यक हो, दृढ़ता के संयोजन के साथ इस स्मारकीय कार्य का रुख किया। उन्होंने इन राज्यों के शासकों को भारत में शामिल होने के लिए मनाने के लिए एक वरिष्ठ भारतीय सिविल सेवक, वी.पी. मेनन के साथ मिलकर काम किया। पटेल और मेनन ने रियासतों के शासकों की देशभक्ति, आर्थिक हितों और सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए उनसे एक एकीकृत भारत के लाभों को देखने का आग्रह किया। उनका राजनयिक दृष्टिकोण काफी हद तक सफल रहा, क्योंकि उन्होंने संघर्ष का सहारा लिए बिना अधिकांश शासकों का सहयोग प्राप्त कर लिया।

पटेल और महात्मा गांधी

स्वभाव और दृष्टिकोण में अंतर के बावजूद पटेल और महात्मा गांधी का रिश्ता गहरे सम्मान और सौहार्द का था। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के जनक गांधी, पटेल को अपने सबसे भरोसेमंद और वफादार सहयोगियों में से एक मानते थे। 1918 के खेड़ा सत्याग्रह के दौरान उनका बंधन और मजबूत हुआ, जहां किसानों के बीच पटेल के नेतृत्व और अहिंसक विरोध के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने गांधी को बहुत प्रभावित किया। उस समय से, पटेल गांधी के सबसे मजबूत समर्थकों में से एक बन गए और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में एक अग्रणी व्यक्ति बन गए। पटेल के दर्शन पर गांधी का प्रभाव महत्वपूर्ण था। हालांकि पटेल व्यावहारिक थे और अक्सर अधिक प्रत्यक्ष दृष्टिकोण में विश्वास करते थे, लेकिन वे अहिंसा और नैतिक अधिकार के गांधी के सिद्धांतों का सम्मान करते थे।

पटेल और जवाहरलाल नेहरू

नेहरू के साथ पटेल के संबंध अधिक जटिल थे, जो वैचारिक मतभेदों और सामयिक तनावों से चिह्नित थे। जहां दोनों भारत की स्वतंत्रता और प्रगति के प्रति प्रतिबद्धता साझा करते थे, वहीं भारत के भविष्य के लिए उनके दृष्टिकोण हमेशा संरेखित नहीं थे। पश्चिमी शिक्षा और समाजवादी आदर्शों वाले नेहरू ने एक आधुनिक, धर्मनिरपेक्ष और औद्योगीकृत भारत की कल्पना की और एक केंद्रीकृत, सरकार के नेतृत्व वाली अर्थव्यवस्था की ओर झुके हुए थे। इसके विपरीत, पटेल की दृष्टि पारंपरिक भारतीय मूल्यों पर आधारित थी, जिसमें विकेंद्रीकरण, निजी उद्यम और ग्रामीण आबादी के उत्थान के लिए कृषि सुधार पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

पटेल व्यावहारिक थे आर्थिक विकास पर केंद्रित थे

इन मतभेदों के कारण कभी-कभी घर्षण होता था, खासकर स्वतंत्रता के बाद, जब दोनों नेताओं ने नीतियों और प्रशासनिक फैसलों पर अलग-अलग विचार रखे। पटेल व्यावहारिक थे, राष्ट्रीय सुरक्षा, आंतरिक स्थिरता और आर्थिक विकास पर केंद्रित थे, जबकि नेहरू अपने दृष्टिकोण में आदर्शवादी और वैश्विक थे, विश्व मामलों और समाजवाद में भारत की भूमिका पर जोर देते थे। फिर भी, दोनों नेताओं ने विशेष रूप से स्वतंत्रता के बाद भारत के सामने आने वाली विकट चुनौतियों के सामने एकता और सहयोग की आवश्यकता को पहचाना। उदाहरण के लिए, रियासतों के एकीकरण के लिए पटेल का दृष्टिकोण सतर्क कूटनीति के लिए नेहरू की पसंद से अधिक मुखर था, फिर भी नेहरू ने इस क्षेत्र में पटेल की विशेषज्ञता का सम्मान किया और उन्हें कार्यभार संभालने की अनुमति दी।

1950 में पटेल का आकस्मिक निधन

इन मतभेदों के बावजूद, दोनों नेताओं ने राष्ट्र के प्रति एक-दूसरे के समर्पण के लिए गहरा सम्मान साझा किया। पटेल नेहरू को प्रधान मंत्री के रूप में स्वीकार करने के लिए जाने जाते थे, राष्ट्रीय हित के लिए व्यक्तिगत या वैचारिक मतभेदों को दरकिनार करते थे। नेहरू ने भी पटेल के अनुभव को महत्व दिया, अक्सर महत्वपूर्ण मामलों पर उनकी सलाह लेते थे। 1950 में पटेल के आकस्मिक निधन ने नेहरू को भारत के निर्विवाद नेता के रूप में छोड़ दिया, लेकिन उनकी मृत्यु नेहरू को बहुत प्रभावित की, जिन्होंने स्वीकार किया कि पटेल का योगदान और उनकी 'लौह इच्छाशक्ति' राष्ट्र को आकार देने में सहायक थी।

आज भी प्रासंगिक हैं पटेल

पटेल के आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं। तीव्र वैश्वीकरण और बदलती राजनीतिक गतिशीलता के युग में, पटेल के राष्ट्रीय एकता और अखंडता के सिद्धांत हमें सामूहिक पहचान और लचीलापन के महत्व की याद दिलाते हैं। एक विकेंद्रीकृत अर्थव्यवस्था, ग्रामीण समुदायों के सशक्तिकरण और कुशल शासन के बारे में उनका दृष्टिकोण आधुनिक नीतिगत चर्चाओं में गूंजता रहता है। इसके अलावा, वैचारिक मतभेदों को दूर करने और सहयोगात्मक नेतृत्व पर जोर देने की उनकी क्षमता, इस बात पर जोर देते हुए कि राष्ट्रीय कल्याण के प्रति एक साझा प्रतिबद्धता व्यक्तिगत या राजनीतिक मतभेदों को पार कर सकती है, एक मूल्यवान सबक प्रदान करती है।

स्टैच्यू ऑफयूनिटी

पटेल को समर्पित और गुजरात में लंबी खड़ी, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, एक ऐसे व्यक्ति के लिए एक उपयुक्त श्रद्धांजलि है, जिसने अपने देश के लिए शक्ति, एकता और वफादारी का प्रतीक था। जैसे-जैसे भारत सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक - नई चुनौतियों से जूझ रहा है, पटेल की विरासत एक मार्गदर्शक प्रकाश के रूप में कार्य करती है, जो हमें याद दिलाती है कि सच्ची ताकत एकता, अखंडता और लोगों के कल्याण के लिए अथक प्रतिबद्धता में निहित है। आज, जब हम उनकी स्मृति का सम्मान करते हैं, तो हमें इस बात पर चिंतन करने के लिए कहा जाता है कि उनके आदर्श भारत को अधिक समावेशी, समृद्ध और लचीला राष्ट्र बनने की दिशा में कैसे मार्गदर्शन कर सकते हैं।

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

- TDS रिफंड
- GST रजिस्ट्रेशन
- इनकम TAX फाइल
- प्रोजेक्ट रिपोर्ट
- MSME रजिस्ट्रेशन
- GST रिटर्न फाइल
- CMA DATE
- फूड लाइसेंस
- BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

निगेटिव विचारों की सफाई कर सुविचारों को धारण करें: आशा

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा सेक्टर-7 स्थित अंतर्दिशा भवन के पीस ऑडिटोरियम में माता महालक्ष्मी के सृष्टि पर आगमन का महापर्व दीपावली बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। भिलाई सेवा केंद्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने कहा कि दीपावली में हम सभी घर के कोने-कोने की सफाई करते हैं और दीपों से घर को सजाते हैं। ठीक इसी प्रकार मन में आने वाले व्यर्थ, निगेटिव, निर्बल रूपी विचारों की सफाई कर दिव्य गुणों का आह्वान कर महालक्ष्मी समान धन, धान्य, खुशी, सर्व के प्रति शुभकामनाओं रूपी अखुट खजानों से सदा संपन्न बनना है। पुराने दुख देने वाले संस्कारों की सफाई कर नए सुख देने वाले दिव्य गुणों की धारणा हमारे जीवन में हो। आगे सदस्यों ने बताया कि पीस ऑडिटोरियम की सजावट, मेडिटेशन रूम के शांति के प्रकंपनी कया गया और महालक्ष्मी की विशाल रंगोली मनाई गई थी। सुबह राजयोग सत्र के बाद ब्रह्माकुमारी आशा दीदी द्वारा परमात्म को भोग स्वीकार कराया गया। इसके बाद सभी ब्रह्माकुमारी दीदियों द्वारा दीपक जलाए गए। इस अवसर पर डिवाइन ग्रुप के बच्चों द्वारा सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसमें सभी ब्रह्मवतसों ने भी साथ में उत्साह से दैवीय संस्कार मिलन की स्मृति में दीपावली पर्व की खुशियां मनाई।

150 किलो हलवा, केक से गोवर्धन बनाकर कृष्ण को लगाया भोग

भिलाई। हरे कृष्ण मंदिर, सेक्टर-6 में गोवर्धन पर्व और अन्नकूट महोत्सव शनिवार रात भव्यता के साथ मनाया गया। यहां लगभग 150 किलो हलवा और केक से गोवर्धन पर्वत तैयार किया गया। केक व बिस्किट मंदिर में ही भक्तों ने तैयार किया। इसे भगवान श्रीराधाकृष्ण को अर्पित किया गया। शाम को राधाकृष्ण की दिव्य आरती के साथ गोवर्धन अष्टकम् भजन गाया गया।

छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर दुर्ग जिपं में दीप जलाए

दुर्ग। 1 नवंबर को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के 24वें वर्ष में जिला पंचायत कार्यालय परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बजरंग दुबे और जिला पंचायत सदस्य माया बेलचंदन द्वारा भावदीप प्रज्वलित किया गया। इस दौरान एनआरएलएम से जुड़ी स्व सहायता समूह की दीदियों और सभी अधिकारी कर्मचारियों ने अपनी सहभागिता निभाई। सभी ने छग को आगे ले जाने शपथ लिया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह

सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि थीम पर हुए कई कार्यक्रम, विजेताओं का हुआ सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सतर्कता विभाग द्वारा, सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 के समापन समारोह का आयोजन 02 नवम्बर 2024 को महात्मा गांधी कलामंदिर में किया गया। इस वर्ष के सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 की थीम 'सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि'विषय पर विभिन्न कार्यक्रम हुए। समापन समारोह में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं और निर्णायकों को सम्मानित किया गया।

समारोह की शुरुआत बीएसपी स्कूलों के स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा स्वागत गीत के साथ किया गया तथा अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। इसके बाद समारोह का शुभारम्भ उपस्थित व्यक्तियों द्वारा, सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया गया। महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ सत्यब्रत कर द्वारा स्वागत भाषण दिया और सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

कठपुतली शो, डिजिटल अरेस्ट सहित हुए कई कार्यक्रम

इस वर्ष के सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 की थीम सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि विषय पर जागरूकता बढ़ाने के लिए कठपुतली शो का आयोजन किया गया, जिसमें डिजिटल अरेस्ट सहित समाज में विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार की कुरीतियों और उन्हें रोकने के उपायों को प्रदर्षित किया गया। इस अवसर पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 के तहत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों व प्रतियोगिताओं की झलकियों पर एक लघु फिल्म का भी प्रदर्षन किया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 के अंतर्गत सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-7 में आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेता छात्रों ने अपनी प्रस्तुति दी। इसके बाद सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों के विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। विभास उपाध्याय, अनीता उपाध्याय और उनकी टीम को कठपुतली शो प्रदर्शन के लिए उपस्थित अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया, साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं के संबंधित निर्णायकों और बीएसपी स्कूलों के एथिक्स क्लब के छात्रों को सुनीति उद्यान, सेक्टर-8 में नैतिकता के बारह स्मारकों पर अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) डॉ अशोक कुमार पंडा, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (माइंस) बीके गिरी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ एम रविन्द्रनाथ, कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) केसी मिश्रा, सेफ्टी चेयरमेन तथा ओए-बीएसपी के अध्यक्ष एनके बंछोर, महासचिव परविंदर सिंह, महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ सत्यब्रत कर सहित संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी, मुख्य महाप्रबंधक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारीउपस्थित थे। इसके साथ-साथ पुरस्कार विजेता स्कूल और कॉलेज के छात्र व विभिन्न कार्यक्रमों के प्रतिभागी भी मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में महाप्रबंधक (सतर्कता) संदीप गुप्ता द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा संचालन सहायक महाप्रबंधक (सतर्कता) मो. नौशाद आलम द्वारा किया गया था। भिलाई इस्पात संयंत्र के सतर्कता विभाग की पूरी टीम के योगदान से समारोह का सफ्लतापूर्वक समापन हुआ।

हमेशा हर स्थान पर सतर्क और चौकस रहना चाहिए : अंजनी कुमार

कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार ने सतर्कता विभाग और बीएसपी बिरादरी को सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 पर आधारित विभिन्न आंतरिक गतिविधियों और प्रतियोगिताओं के सफ्लतापूर्वक आयोजन के लिए बधाई दी। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखने के लिए मूल्यों और मार्गदर्शक सिद्धांतों को और भी सुदृढ़ करने के उद्देष्य से समय-समय पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है। हमने हर संभव स्तर पर भ्रष्टाचार की जांच और नियंत्रण के लिए विभिन्न आईटी उपकरणों व तकनीकों का भी सहारा लिया है। आज हमारा देश प्रगति के मार्ग पर है लेकिन भ्रष्टाचार की बुराई किसी दीमक की तरह विभिन्न स्तरों पर हमारे संस्थानों और भारतीय अर्थव्यवस्था को खोखला करने का प्रयास कर रहा है। इसे केवल ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, सतर्कता और सुशासन जैसे उच्च नैतिक मूल्यों से ही रोका जा सकता है। इसके लिए सभी का योगदान आवश्यक है। हमें हमेशा हर स्थान पर सतर्क और चौकस रहना चाहिए।

बीएसपी प्रबंधन ने मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तरुण कनरार को सेवानिवृत्ति पर दी भावभीनी विदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन ने कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग के मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तरुण कनरार को 31 अक्टूबर 2024 को उनकी सेवानिवृत्ति पर स्टील क्लब, सेक्टर-8 में आयोजित सेवानिवृत्ति समारोह में भावभीनी विदाई दी। भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेषक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तरुण कनरार को सम्मानित किया। कनरार के साथ उनकी पत्नी सुतापा कनरार भी उपस्थित थीं।

इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेषक एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेषक पवन कुमार, कार्यपालक निदेषक बिपिन कुमार गिरी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ एम रवींद्रनाथ सपत्निक उपस्थित थे।

संयंत्र के निदेषक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने बीएसपी प्रबंधन की ओर से तरुण कनरार को विदाई दी और सेवानिवृत्ति के बाद उनके स्वस्थ और सुखद जीवन की कामना की। दासगुप्ता ने सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में उनकी लंबी सेवा अवधि के दौरान उनके सराहनीय योगदान के लिए कनरार की सराहना की।

मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सीओ एवं सीसीडी) श्री तरुण कनरार ने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) में अपने सेवा अनुभव और भविष्य की योजनाओं को साझा किया। सिरेमिक इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी की डिग्री के साथ, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी श्री तरुण कनरार, 01 जुलाई 1989 को सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में प्रबंधन प्रशिक्षु (तकनीकी) के रूप में शामिल हुए। श्री तरुण कनरार ने सेल-बीएसपी के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग में विभिन्न पदों पर कार्य किया और जून 2012 में उप महाप्रबंधक (सीओ एंड सीसीडी) बनें। सितंबर 2019 में उन्हें कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग के महाप्रबंधक के रूप में पदोन्नत किया गया। जून 2021 में मुख्य महाप्रबंधक (रिफ्रेक्ट्री इंजीनियरिंग विभाग) के पद पर पदोन्नत हुए और फरवरी 2023 में मुख्य महाप्रबंधक (सीओ एंड सीसीडी) के रूप में नियुक्त किया गया।

अगस्त 2024 में उन्हें बीएसपी के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग के मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी के रूप में पदोन्नत किया गया। तरुण कनरार अंततः 31 अक्टूबर 2024 को सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की सेवा से सेवानिवृत्त हुए।

विधायक गजेंद्र यादव ने दी राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनायें

कसारिडीह शीतला मंदिर के पास छत्तीसगढ़ महतारी के प्रतिमा पर माल्यार्पण किये

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र ने सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनायें दी है। कसारिडीह शीतला मंदिर के पास कार्यकर्त्ताओं के साथ पहुँचे और छत्तीसगढ़ महतारी के प्रतिमा पर माल्यार्पण किये और कहा की छत्तीसगढ़ महतारी के कोरा में जन्म लेना किसी सौभाग्य से कम नहीं है। समृद्ध संस्कृति व खनिज संपदा से संपन्न हमारा प्रदेश निरंतर प्रगति करे इसकी कामना किये।

01 नवंबर को छत्तीसगढ़ राज्य के सृजन दिवस पर विधायक गजेंद्र यादव ने प्रदेशवासियों राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा की सांस्कृतिक विरासत लोक परंपरा और जनजातीय संस्कृति के अद्भुत संगम से सजा हमारा छत्तीसगढ़ विकास के राह पर अग्रसर है। उन्होंने यह भी कहा कि 25 साल के सफ्र में हमारा राज्य काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में विकसित

देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी ने जिस परिकल्पना के साथ छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया था, उसे साकार करने की दिशा में प्रदेश निरंतर अग्रसर है।

पूरी हो रही मोदी की गारंटी

विधायक गजेंद्र यादव ने कहा की डबल इंजन की सरकार में छत्तीसगढ़ का संवार्गीन विकास हो रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी के तहत किसानो को बकाया राशि का भुगतान, धान की एक मुश्त राशि, महतारी वंदन योजना से मातृशक्ति का सम्मान, शासकीय कर्मचारियों की मांग, गरीब को पक्के मकान का सपना, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में 10 माह के कार्यकाल में मोदी की गारंटी को पूरा करने संकल्पित है।

बीएसपी द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में नागरिकों ने उठाया निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के राजहरा माइंस अस्पताल में 01 नवम्बर 2024 को एक दिवसीय निःशुल्क व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। षिविर में बीएसपी के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों और वरिष्ठ डॉक्टरों ने स्थानीय समुदाय को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय समुदाय की चिकित्सा संबंधी विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु विशेषज्ञों की व्यवस्था, चिकित्सकीय देखभाल और उचित परामर्श उपलब्ध कराना है। इस षिविर के तहत परामर्शदाताओं द्वारा 300 से अधिक परामर्श प्रदान की गई।

इस स्वास्थ्य जांच शिविर में भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य चिकित्सालय जेएलएन अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ कौशलेन्द्र ठाकुर के नेतृत्व में शामिल टीम में डॉ नूतन वर्मा (शिशु रोग), डॉ इमैनुअल मैसी (हड्डी रोग), डॉ हिमानी गुप्ता (प्रसूति एवं स्त्री रोग), डॉ दीपाली गुप्ता (नेत्र रोग), डॉ धीरज शर्मा (सर्जरी), डॉ श्वेता वर्मा (ईएनटी), दिग्विजय किशोर (फिजियोथेरेपिस्ट), रीता भटनागर, (आहार विशेषज्ञ), डॉ अक्षय, डीएनबी कंसल्टेंट (हड्डी रोग), डॉ जुली, डीएनबी कंसल्टेंट (प्रसूति एवं स्त्री रोग) ने एक दिवसीय चिकित्सा शिविर के लिए अपनी सेवाएं प्रदान की। साथ ही इस षिविर में राजहरा माइंस अस्पताल से सीनियर कंसल्टेंट डॉ मनोज डहरवाल और उनकी टीम भी उपस्थित थी।

व्यापक स्वास्थ्य शिविर में मरीजों को विभिन्न बीमारियों और चिकित्सा-स्वास्थ्य समस्याओं के लिए परामर्श, नैदानिक परीक्षण और उपचार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य शिक्षा सत्र भी शामिल थे, जहां मरीजों को विभिन्न निवारक उपायों और स्वस्थ जीवन शैली जीने के बारे में जानकारी दी गई। शिविर में चिकित्सकों द्वारा विभिन्न चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गई जिसके तहत डॉ श्वेता वर्मा ने मरीज के कान से कीड़े निकाले, डॉ धीरज शर्मा द्वारा फेड़ों पर चीरा लगाएं गए। एलएसआई सहित ऑर्थो प्रक्रियाएं भी इस षिविर में शामिल थीं।

राजहरा माइंस अस्पताल में एक दिवसीय निःशुल्क व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ एम रविन्द्रनाथ के मार्गदर्षन में तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विनीता द्विवेदी, डॉ कौशलेंद्र ठाकुर तथा डॉ सौरव मुखर्जी और राजहरा माइंस के मुख्य महाप्रबंधक आर बी गहरवार के सहयोग से किया गया। इस षिविर को सफ्ल बनाने में सीनियर कंसल्टेंट एवं प्रभारी (राजहरा मेडिकल हॉस्पिटल) डॉ मनोज डहरवाल तथा एचआर अधिकारी डॉ जय बघेल के समर्पित प्रयासों के साथ-साथ राजहरा माइंस अस्पताल के सहायक कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866

Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361

Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

भगवान महावीर का निर्वाण दिवस आज, कल चढ़ाया जाएगा निर्वाण लड्डू

रायपुर। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी, भैरव सोसायटी में 31 अक्टूबर को दीपावली पर्व, 1 नवम्बर को भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण दिवस मनाया जाएगा। निर्वाण लड्डू व प्रथम गणधर गौतम स्वामी के कैवल्य कल्याणक का लड्डू चढ़ाने का कार्यक्रम, गौतम रास वांचन 2 नवम्बर को प्रात: 5 . 30 बजे से सम्पन्न होगा। भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण पश्चात प्रात: मंदिर के पट्ट विवेक यश हर्ष वीर डागा परिवार द्वारा खोले जाएंगे।

सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद , महासचिव महेन्द्र कोचर व ट्रस्टी नीलेश गोलेच्छा ने बताया कि सकल श्रीसंघ द्वारा विधिकारक अरविन्द गोलछा के साथ चैत्यवंदन की क्रिया की जावेगी। निर्वाण व कैवल्य कल्याणक का लड्डू चढ़ाया जावेगा। आचार्य जिनमणिप्रभ सूरीश्वर के आशीर्वाद से अरविन्द गोलछा द्वारा गौतम रास का श्रवण धर्मसभा को कराएंगे, निर्वाण एवं कैवल्य कल्याणक लड्डू चढ़ाने के लाभार्थी शासननायक महावीर स्वामी राजेश करुणा सिंघी, सीमंधर स्वामी जीवनलाल डॉ योगेश नयन खुशी बंगानी, गौतम स्वामी का संतोष सरला बैद, दादागुरुदेव का व पद्मावती माता का लड्डू का चढ़ावा बोला जावेगा। चैत्यवंदन के बाद सीमंधर स्वामी व दादा गुरुदेव की आरती व मंगलदीपक के चढ़ावे बोले जावेंगे। अरविन्द गोलछा द्वारा गौतम रास का भावपूर्ण वांचन किया जावेगा। कार्यक्रम पश्चात लाभार्थी परिवारों द्वारा नवकारसी रखी गई है।

जैतू साव मठ में अन्नकूट के अवसर पर गोवर्धन पूजा का आयोजन

रायपुर। अन्नकूट के अवसर पर पुरानी बस्ती स्थित जैतू साव मठ में गोवर्धन पूजा का कार्यक्रम शनिवार को विधि विधान व परम्परागत ढंग से संपन्न हुआ। सबसे पहले गौ माता के गोबर से निर्मित गोवर्धन पर्वत की विधिवत पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात भगवान राघवेंद्र सरकार की आरती की गई और उन्हें 56 प्रकार के व्यंजन का भोग अर्पित किया गया। उल्लेखनीय है कि- द्वापर युग में भगवान श्री कृष्ण के द्वारा अपने उंगली पर गोवर्धन पर्वत धारण कर बृजवासियों की इंद्र के प्रकोप से रक्षा करने के उपलक्ष में गोवर्धन पूजा का कार्यक्रम मनाया जाता है। मठ के श्री महन्त रामसुन्दर दास महाराज ने पूजा अर्चना का कार्यक्रम संपन्न कराया। उपस्थित श्रद्धालु भक्तों को प्रसादवितरण किया गया। यह कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष दीपावली के अवसर पर लक्ष्मी पूजन के द्वितीय दिवस गोवर्धन पूजा के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम में विशेष रूप से रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी सुनील सोनी, कांग्रेस के प्रत्याशी आकाश शर्मा, पूर्व शिक्षा मंत्री सत्यनारायण शर्मा, अजय तिवारी, दाऊ महेद्र अग्रवाल, डा.सुरेश शुक्ला जी रमेश यदु, देवाशीष मुखर्जी, नरेंद्र गोस्वामी, अनुराग अग्रवाल सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में पारा चढ़ने से अभी बढ़ेगी उमस व गर्मी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दिवाली के दिन यानी आज मौसम ड्राई रहेगा। इस वजह से दिन और रात का तापमान सामान्य से 2 से 3 डिग्री तक बढ़ोतरी होगी। इससे दिन और रात को गर्मी व हल्की उमस रहेगी। वहीं बस्तर संभाग में एक-दो जगहों पर हल्की बौछारें पड़ सकती हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक, बादल छाए रहने की वजह से प्रदेश में ठंड का असर कम रहेगा। राज्य में दाना तूफान का असर कम रहा और कहीं भी बारिश या तेज हवाएं नहीं चलीं। हालांकि पिछले चार दिनों से आसमान में हल्के बादल छाए हुए हैं। बुधवार को भी इसका असर दिखाई दिया। दिन में कई बार हल्के बादल छा गए थे। हालांकि शाम होते होते उमस अच्छी बढ़ गई और हल्की गर्मी महसूस होने लगी थी। प्रदेश में सबसे ज्यादा तापमान 34.5 डिग्री डोंगरगढ़ में और न्यूनतम 19.8 डिग्री अम्बिकापुर में दर्ज किया गया। वहीं बुधवार को राज्य में सबसे अधिक बारिश 40 मिली मीटर बारिश नारायणपुर जिले के ओरछा में हुई। वही कोहकामेटा में भी 40 मिमी, लोहंडीगुड़ा में 30 मिमी, कोंडागांव में 20 मिमी और बस्तर में 10मिमी बारिश हुई। ।

मौसम विभाग के मुताबिक दाना तूफान का असर आज के बाद पूरी तरह खत्म हो जाएगा। जिसके बाद मौसम ड्राई रहेगा और रात के तापमान में गिरावट का दौरा शुरु होगा। मौसम विज्ञानियों ने बताया कि मौसम साफ बदली और बादल छाए रहने से नमी बनी हुई है। जिसके कारण उमस और गर्मी का अहसास हो रहा है। मौसम साफहोने से दिन और रात का पारा गिरेगा।

अग्निवीर नि:शुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण 4 नवम्बर से

धमतरी। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, धमतरी द्वारा अग्निवीर थल सेना भर्ती हेतु नि:शुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण 4 नवम्बर से आयोजित किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि ऐसे आवेदक जो अप्रैल 2024 में थल सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा में सफल हुए हैं, उन्हें यह नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। थल सेना भर्ती कार्यालय द्वारा निर्धारित मापदण्ड पूर्ण करने वाले आवेदक इस प्रशिक्षण में शामिल हो सकते हैं। इस शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण में भाग लेने के इच्छुक आवेदक लिंक के माध्यम से प्रशिक्षण हेतु आवेदन कर सकते हैं। जो आवेदक उक्त फॉर्म भरेंगे, उन्हें 4 नवम्बर को शारीरिक मापदण्ड के परीक्षण हेतु सेना भर्ती कार्यालय द्वारा जारी प्रवेश पत्र की छायाप्रति एवं आवेदन पत्र के साथ जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, धमतरी में उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

2025 से स्कूलों में नया पाठ्यक्रम, पहली दूसरी, तीसरी व छठवीं की बदलेंगी किताबें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश के स्कूलों में आगामी सत्र 2025-26 से नया पाठ्यक्रम लागू किया जाएगा। कक्षा पहली, दूसरी, तीसरी और छठवीं की पूरी किताबों में बदलाव की जाएगी। नई किताबें लिखने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। कुल 33 किताबें तैयार की जा रही है। इसमें हिंदी व इंग्लिश दोनों माध्यम कि पुस्तकें हैं। जानकारों का कहना है कि पहली से बारहवीं का पूरा कोर्स बदलेगा। चरणबद्ध तरीके से बदलाव किया जाएगा। अगले साल चार कक्षाओं का कोर्स बदलेगा। फिर 2026-27 के सत्र से तीन-चार अन्य कक्षाओं की किताबें बदलेंगी। दो-तीन साल में स्कूली पाठ्यक्रम की सारी बुक चेंज हो जाएगी।

यह पूरा बदलाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत हो रहा है। इसकी अनुशंसा के आधार पर पाठ्यक्रम तैयार हुआ और अब किताबें लिखी जा रही है। अगले कुछ महीनों में किताबें लिखने का काम पूरा होने की संभावना है। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) से कुल 33 किताबें तैयार की जा रही है। पहली में हिंदी माध्यम की तीन और इंग्लिश मीडियम की एक यानी कुल 4 किताबें लिखी जा रही है। कक्षा दूसरी में भी इतनी ही ?पुस्तकें तैयार की जा ही है। तीसरी में हिंदी मीडियम की 6 और अंग्रेजी माध्यम की 4 किताबें लिखने का काम चल रहा है। जबकि छठवीं में हिंदी में 9 और इंग्लिश में 6 यानी कुल 15 पुस्तकें तैयार हो रही है।

छठवीं के छात्र आर्ट, योगा और वोकेशनल भी पढ़ेंगे

छठवीं में अगले साल छात्र छह नहीं बल्कि नौ किताबें पढ़ेंगे। पिछले साल की तरह की हिंदी, इंग्लिश, संस्कृत, गणित, सामाजिक विज्ञान और विज्ञान की किताबें तो रहेंगी। इसमें तीन और नई किताबें आर्ट एजुकेशन, योगा और वोकेशनल को शामिल किया जाएगा। वोकेशनल में लघु उद्योग समेत अन्य के बारे में पढ़ेंगे। कक्षा तीसरी में छात्र चार की जगह छह किताबें पढ़ेंगे। हिंदी, इंग्लिश, गणित के अलावा पर्यावरण पिछले साल भी था। इस बार में इनकी बुक के अलावा आर्ट एजुकेशन और योगा भी पढ़ेंगे।

एनईपी में स्थानीय बोलियों भाषाओं पर ज्यादा फोकस

अफसरों का कहना है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार यह किताबें तैयार की जा रही है। इसमें स्थानीय बोलियों एवं भाषाओं पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। इसी तरह कोर्स को आओ करके सीखे के अनुसार तैयार किया गया है। नेशनल कॅरिकुलम फ्रेमवर्क (एनसीएफ) के तहत गणित व विज्ञान के कोर्स जैसा है, उसके अनुसार ही यहां किताबें लिखी जाएगी। इसमें थोड़ा ही बदलाव होगा। जबकि सामाजिक विज्ञान, लैग्वेज की किताबों में राज्य के अनुसार 20 से 30 प्रतिशत तक बदलाव होगा।

प्रदेश में इस साल यूजी फर्स्ट ईयर की किताबें बदलीं

यूजी फर्स्ट ईयर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हो चुकी है। सत्र 2024-25 के अनुसार पढ़ाई हो रही है। बीए, बीकॉम, बीएससी, बीसीए, बीबीए समेत अन्य की किताबें बदली है। जिन विषयों का सिलेबस बदला उनमें गणित, फिजिक्स, केमिस्ट्री, जियोलॉजी, एंथ्रोपोलॉजी, बॉटनी, बायोटेक, माइक्रोबायोलॉजी, फारेस्ट्री एंड वाइल्ड लाइफ, कंप्यूटर साइंस, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, इतिहास, लोक प्रशासन, राजनीति विज्ञान, भूगोल, गृह विज्ञान, अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत समेत अन्य विषय शामिल है।

एक दीया श्रीराम के नाम का नि:शुल्क रंगोली दीया वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई युवा विंग द्वारा लगातार छह दिन से नि:शुल्क दीया एवं रंगोली वितरण का आयोजन किया जा रहा है। आज समापन कार्यक्रम झूलेलाल उद्यान कटोरा तालाब रायपुर में किया गया।

सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने कहा में बधाई देता हूं पूरी युवा विंग टीम को जिनके द्वारा इतना बड़ा आयोजन किया गया । निरंतर हर जरूरतमंद को दिवाली के अवसर पर रंगोली और दीया वितरण किया गया और एक दीया श्रीराम के नाम हर घर तक पहुंचाने में हम सफल हुए। सिंधी काउंसिल युवा विंग अध्यक्ष रवि ग्वालानी ने कहा हमने रायपुर का हर कोने तक दीया वितरित किया और हमारा प्रयास रहा है हर घर खुशी से दिवाली मनाए।

आयोजन में सिंधी काउंसिल प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ, युवा विंग अध्यक्ष रवि ग्वालानी, महामंत्री सुनील कुकरेजा, किशोर आहूजा, मनोज डेंगवानी, डॉ. एन डी गजवानी, धनेश मटलानी, कमल विधवानी, संजीव जसवानी, चंदन जैसिंघ, महेश खिलनानी, गौतम रेलवानी, नरेश पंजवानी, आशीष वासवानी, सूरज जसवानी, जय रेलवानी, विक्रम मंधान, रितेश रंगलानी, विनय नागदेव, राजकुमार मनवानी, नीरज मनवानी उपस्थित थे और शानदार आतिशबाजी करके और सभी सदस्यों ने हाथो में फुलझड़ी जलाकर हाथों में रख कर बोले जय जय झूलेलाल।

रायपुर कलेक्ट्रेट के बाबू सुसाइड केसः राज्यपाल से जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर कलेक्ट्रेट के राजस्व विभाग में अपर डिवीजन क्लर्क प्रदीप उपाध्याय ने सुसाइड नोट लिखकर सोमवार दोपहर खुदकुशी कर ली। सुसाइड नोट में तत्कालीन एडीएम गजेन्द्र ठाकुर, वीरेन्द्र बहादुर सिंह और तत्कालीन एसडीओ देवेन्द्र पटेल का नाम शामिल है।

मामले को लेकर ब्राह्मण समाज ने राज्यपाल से मुलाकात की। इसके पहले मंगलवार को सीएम विष्णुदेव साय और गृहमंत्री विजय शर्मा को भी मिलकर घटना की जानकारी दी थी। साथ ही जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। दरअसल, सीनियर क्लर्क प्रदीप उपाध्याय का शव पुरानी बस्ती के बंधयापारा स्थित उनके निवास में फांसी के फंदे पर झूलते पाया गया। उसी कमरे में ही दो पन्ने का हाथ से लिखा सुसाइड नोट मिला है, जिसमें एडीएम स्तर के 3 अधिकारियों को मौत का जिम्मेदार बताया गया है।

ब्राह्मण समाज के लोगों ने राज्यपाल से मुलाकात की। विप्र समाज के नेताओं ने कहा कि अधिकारियों ने पहले तहसीलदार संघ के प्रदेश अध्यक्ष नीलमणि दुबे को छह महीने में कई बार ट्रांसफर कर प्रताड़ित किया। अब अधिकारियों की प्रताड़ना से प्रदीप उपाध्याय ने खुदकुशी की। इसका जिक्र सुसाइड नोट में है। ब्राह्मणों को यहां से भगाओ बोलकर परेशान किया जाता रहा है।

सुसाइड नोट में लिखा है- मैं प्रदीप उपाध्याय पूरे होश हवास में यह आत्महत्या पत्र लिख रहा हूं। मुझे पूरी उम्मीद है कि जिन अधिकारियों का नाम है। उन्हें भाजपा सरकार या तो कांग्रेस पार्टी जरूर सजा दिलाएगी। मैं पूरी इमानदारी कर्तव्य निष्ठा से अपना कार्य कर रहा था। आगे लिखा कि मुझे डायवर्सन शाखा के साथ राजस्व आपदा का काम सौंपा गया था। मुझे परेशान करने के लिए देवेंद्र पटेल तत्कालीन स्छह रायपुर आज दिनांक में कलेक्ट्रेट रायपुर में, छरू है। गजेंद्र ठाकुर अपर कलेक्टर के साथ मिलकर मुझे नजीर शाखा में अतिरिक्त कार्य सौंपा गया।

'मैं अपना काम निष्ठा से कर रहा था, लेकिन अधिकारियों तत्कालीन ADM गजेंद्र ठाकुर, तत्कालीन ADM वीरेंद्र बहादुर और SDO देवेंद्र पटेल ने किसी नेता से मेरी फर्जी शिकायत कराकर मेरा खरोरा ट्रांसफर कर दिया। हर अधिकारी से मेरी बुराई की गई, जिससे कलेक्टर के सामने मेरी छवि खराब की गई।'

'लेकिन मेरी शिकायत प्राप्त नहीं होने पर देवेंद्र पटेल और गजेंद्र ठाकुर द्वारा भूमिका बनकर किसी नेता से तत्कालीन कलेक्टर को फोन कर शिकायत कराई गई। मेरा खरोरा ट्रांसफर कर दिया गया। देवेंद्र पटेल ने किसी न किसी रूप से मुझे परेशान किया। मेरे खिलाफ बार-बार हर अधिकारी के पास मेरी बुराई की।

आदिवासी समुदाय ने कलेक्ट्रेट में किया प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर-गरियाबंद। प्रदेश के गरियाबंद जिला स्थित मैनपुर रेंज में इन दिनों लगातार ही हाथियों के आतंक बढ़ गया है। जिसके चलते आदिवासी समुदाय के सैकड़ों लोगों गरियाबंद मुख्यालय पहुंचे थे। जहां पर कलेक्टोरेट के सामने उन्होंने धरना प्रदर्शन किया है। जहां पर ग्रामीणों ने राष्ट्रपति के नाम पर ज्ञापन सौंपस है, और फसल क्षति के मुआवजे के लिए प्रति एकड़ 75 हजार रुपये और जन हानि के लिए 1 करोड़ रुपये की भी मांग की है।

इस दौरान अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के बैनर तले आदिवासी समुदाय के 200 लोग महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष लोकेश्वरी नेताम और अध्यक्ष उमेंदी कोर्राम के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच स्छरू राकेश गोलछा को उन्होंने ज्ञापन सौंपा हैं। इस ज्ञापन में आदिवासी समुदाय ने हाथियों के कारण बढ़ी समस्या के समाधान और कच्चे घरों को होने वाले नुकसान का समाधान मांगा है। इसके साथ ही इस ज्ञापन में प्रत्येक परिवार को कि पीएम आवास योजना के तहत लाख रुपये मंजूर की मांग की है।

किडनी स्टोन का रिस्क होगा कम, बस रोजाना सुबह उठकर पिएं संतरे का जूस

संतरे का जूस सेहत के लिए जबरदस्त तरीके से फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन सी, पोटैशियम, और फाइबर जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो हमें सेहतमंद रखने में मदद करते हैं। इस जूस में विटामिन बी-9 और फोलेट भी मिलता है, जो ब्लड सर्कुलेशन ठीक रखने में मदद करता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगर हर दिन दो गिलास ऑरेंज जूस पिया जाए तो ब्लड प्रेशर की समस्या नहीं होती है। यह ऑक्सिजनेटेड ब्लड फ्लो बॉडी में बनाए रखता है, जिससे हार्ट प्रॉब्लम्स से बच सकते हैं। संतरे का जूस किडनी स्टोन में भी फायदेमंद होता है। यह इसका खतरा कम करता है।

किडनी स्टोन में फायदेमंद संतरे का जूस

संतरे के जूस में ऐसे गुण पाए जाते हैं जो शरीर को डिटॉक्स कर हेल्दी रखने में मदद करते हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार, संतरे का जूस विटामिन सी, पोटैशियम, साइट्रिक एसिड और फोलेट जैसे पोषक तत्वों से भरपूर है। साइट्रिक एसिड यूरिन के पीएच वैल्यू को सही रखने में मदद करता है और किडनी स्टोन बनने से रोकता है। हर दिन सुबह ताजे संतरे का जूस पीने से किडनी स्टोन की समस्या नहीं होती है।

किडनी स्टोन का खतरा कैसे घटाता है संतरे का जूस

किडनी स्टोन मुख्य तौर पर दो तरह की होती है। पहला- कैल्शियम ऑक्सालेट स्टोन, जो बेहद कॉमन है और दूसरी- यूरिक एसिड स्टोन, जो शरीर में यूरिक एसिड के बढ़ने का कारण होती है। दोनों तरह की पथरी में संतरे का जूस फायदेमंद होता है। इस जूस से यूरिन में साइट्रेट का लेवल बढ़ जाता है, जो कैल्शियम ऑक्सालेट के साथ मिलकर किडनी स्टोन के रिस्क को कम करता है। इसके कुछ गुण यूरिक एसिड को कम करने में भी मददगार होते हैं।

किडनी स्टोन में संतरे का जूस कैसे पिएं

अगर घर में किसी को किडनी स्टोन की समस्या है और इससे छुटकारा पाना चाहते हैं तो रोजाना सुबह उठकर खाली पेट एक गिलास ताजे संतरे का जूस पीना चाहिए। नियमित तौर पर ऐसा करने से किडनी स्टोन का खतरा टलता है और शरीर से गंदगी भी बाहर निकल जाती है।

- किडनी स्टोन से बचने क्या करें, क्या नहीं
- ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं।
- डाइट में कैल्शियम की मात्रा बढ़ाएं।
- नमक जितना कम हो सके, उतना खाएं।
- खाने में प्रोटीन को बैलेंस रखें।

ज्यादा पानी पीने से तेजी से कम होता है वजन, जानें इस बात में कितनी सच्चाई

बढ़ते वजन की वजह से ज्यादातर लोग परेशान रहते हैं। वजन घटाने के लिए लोग क्या कुछ नहीं करते लेकिन कड़ी मशक्कत के बाद हल्का-फुल्का ही अंतर नजर आता है। ऐसे में कुछ लोग स्ट्रिक्ट डाइट फॉलो कर वेट लॉस करते हैं तो कुछ दिन में घंटे पसीना बहाते हैं। कई लोग तो कई दिनों तक वाटर फास्टिंग कर भी तेजी से वजन कम कर लेते हैं। लोगों का मानना है कि ज्यादा पानी पीने से जल्दी वजन कम होता है। क्या बात है जल्दी वजन कम करने के लिए जरूर से ज्यादा पानी पीने की जरूरत है। आईए जानते हैं।

पानी को जीवन के लिए बहुत जरूरी कहा जाता है। पर्याप्त पानी पीना सेहत के लिए भी जरूरी कहा जाता है। कहते हैं कि सही मात्रा में पानी पीने से वजन भी कम हो सकता है। कई जगह कहा जाता है कि गर्म पानी पीने से आप वजन घटा सकते हैं। लेकिन क्या ये वाकई सच है या फिर एक भ्रम। चलिए आज जानते हैं पानी को लेकर कुछ मिथ और उनकी सच्चाई

पानी पीने से वजन कम होगा?

अगर यह कहा जाए की पानी पीने से वजन कम होता है तो इस बात में कोई सच्चाई नहीं है। सिर्फ पानी पीकर वजन नहीं घटाया जा सकता बल्कि शरीर में दूसरी कमियां जन्म ले सकती हैं। पानी पीने से वजन कम नहीं होता है लेकिन गुनगुने पानी में अगर कुछ हर्ब्स और मसाले मिलाएं जाएं तो ये वजन कम कर सकता है। जैसे सौंफ, अजवाइन, जीरा, शहद, हल्दी आदि।

जितना ज्यादा पानी, उतनी सेहत अच्छी?

ये सही नहीं है। पानी पीना अच्छा है लेकिन लिमिट से ज्यादा पानी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है।इससे शरीर में सोडियम का स्तर गिर सकता है और वाटर रिटेंशन की समस्या भी हो सकती है। वजन कम करने के लिए कम से कम आठ गिलास पानी पीना है जरूरी है। इसमें कुछ हद तक सच्चाई है। शरीर को सही तौर पर हाइड्रेट रखने के लिए छह गिलास पानी जरूरी कहा जाता है। कुछ लोग आठ गिलास पानी भी पीते हैं क्योंकि ये शरीर पर निर्भर करता है।

पानी भूख मारता है

पानी का नेचर ही भरना है। वेट लूज करने में लगे लोग भोजन करने से पहले पानी पीते हैं। इससे उनके शरीर में जाने वाले भोजन का पोर्शन कम हो जाता है। वेट लूज करने के लिए और भूख पर नियंत्रण रखने के लिए भोजन से आधा घंटा पहले पानी पीने से लाभ मिलता है।

हाइड्रेशन के लिए पानी है जरूरी

आमतौर पर लोग मानते हैं कि शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए पानी जरूरी है। लेकिन ये पानी और पेय पदार्थ पर भी निर्भर करता है। हम किस तरह का पानी पी रहे हैं, वो कितना फायदेमंद है। अगर आप एक गिलास पानी के बदले तरबूज खा लें या खरबूजा खा लें तो भी आपकी बॉडी हाइड्रेट हो जाएगी। इसी तरह सलाद, ककड़ी, खीरा, टमाटर आदि चीजों में भी ढेर सारा पानी होता है। आप इनका सेवन करके भी शरीर में पानी की जरूरत पूरी कर सकते हैं।

गुलाबी साड़ी पहन भोजपुरी क्वीन मोनालिसा ने कराया बोल्ड फोटोशूट

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा हमेशा अपने कातिलाना अंदाज से सोशल मीडिया पर कहर बरपाती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक अक्सर इंटरनेट पर आते ही ट्रेंड करने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी बेहद ही खूबसूरत फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार सोशल मीडिया पर कहर बरपा रहा है।

एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।

बता दें कि मोनालिसा जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। तस्वीरों में आप देख सकते हैं मोनालिसा ने गुलाबी और ऑरेंज कलर की सिंपल साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही खूबसूरत नजर आ रही हैं।

खुले बाल, माथे पर बिंदी और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने इस साड़ी लुक को बेहद ही खूबसूरत तरीके से निखारा है। मोनालिसा भले ही इन दिनों किसी टीवी सीरियल में नहीं दिखाई दे रही हैं, लेकिन वो आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।

बजरंगी बली बने ऋषभ शेट्टी, कलियुग में पूरी होगी त्रेतायुग की प्रतिज्ञा

इस साल की शुरुआत में प्रशांत वर्मा ने दर्शकों फिल्म हनुमान का तोहफा दिया। तेजा सज्जा अहम भूमिका में नजर आए। फिल्म के रिलीज के दौरान ही उन्होंने सीक्वल का एलान भी कर दिया। इस फिल्म का सीक्वल जय हनुमान के नाम से आ रहा है।

मेकर्स ने फिल्म की पहली झलक फैंस के साथ साझा की गई है। इसी के साथ यह भी खुलासा हो गया है कि मुख्य किरदार कौन निभाने जा रहा है। मैत्री मूवीज मेकर्स के इंस्टाग्राम हैंडल से जय हनुमान का फर्स्ट पोस्टर साझा किया गया है। इसी के साथ यह भी पता चल गया है कि मुख्य रोल कोई और नहीं, बल्कि कांतारा फेम ऋषभ शेट्टी अदा करते दिखेंगे। पोस्टर में वे बजरंगबली के रूप में नजर आ रहे हैं, जिनके हाथ में भगवान श्रीराम की प्रतिमा है।

मेकर्स ने पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन लिखा है, त्रेतायुग की प्रतिज्ञा, जो कलयुग में अवश्य पूरी होगी। नेशनल अवॉर्ड विजेता अभिनेता ऋषभ शेट्टी और निर्देशक प्रशांत वर्मा भक्ति और साहस की पौराणिक कहानी परदे पर लेकर आ रहे हैं।

फिल्म हनुमान में मुख्य भूमिका तेजा सज्जा ने अदा की थी। सीक्वल में वे मुख्य रोल अदा नहीं करेंगे, इसे लेकर स्थिति पहले ही साफ हो गई चुकी। ऐसे में दर्शक यह जानने के लिए बेताब थे कि सीक्वल में अहम किरदार में कौन नजर आएगा? इसका खुलासा अब हो चुका है। सीक्वल में ऋषभ शेट्टी की एंट्री पर यूजर्स की अलग-अलग प्रतिक्रिया आ रही है। ऋषभ के फैंस काफी उत्साहित हैं। वहीं, कुछ यूजर्स कह रहे हैं कि पहली बार देखने पर उन्हें लगा कि पोस्टर पर एक्यर यश हैं। प्रशांत वर्मा ने अपने प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स की इस फिल्म का एलान इसी साल राम नवमी पर किया था। प्रशांत ने प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स को अपनी बहन स्नेहा समीरा संग मिलकर रचा है। दोनों की शिक्षा सरस्वती शिशु मंदिर में हुई है और दोनों ने मिलकर इसके पहले कहानियों की एक कंपनी स्टोरीविले भी खोली। फिल्म 'हनुमान' की रचना इस यूनिवर्स के तहत पहली है। फिल्म 'जय हनुमान' इसकी सीक्वल जरूर है, लेकिन इस फिल्म से पहले इस यूनिवर्स की दो और फिल्में 'अधीरा' और 'महाकाली' भी रिलीज होने वाली हैं।

नानी की फिल्म हिट द थर्ड केस में हुई श्रीनिधि शेट्टी की एंट्री!

अभिनेता नानी तमिल सिनेमा का एक प्रमुख चेहरा हैं। अपनी अदाकारी से वह लाखों दिलों पर राज करते हैं। मुश्किल से मुश्किल किरदार को आसानी से निभाने की कला की वजह से प्रशंसक उन्हें प्यार से नेचुरल स्टार कहते हैं। वह इन दिनों अपनी फिल्म फिल्म सारिपोधा सानिवारम की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। इस फिल्म में उन्होंने सूर्या नाम के शख्स का किरदार निभाया है।

इस फिल्म के बाद नानी ने कोई ब्रेक नहीं लिया है और अब अपनी आगामी फिल्म हिट द थर्ड केस की शूटिंग में जुट गए हैं। शैलेश कोलानू के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग फिलहाल विजाग में चल रही है। ताजा चर्चा यह है कि केजीएफ में अपनी भूमिका से लोगों पर अपनी अदाकारी की गहरी छाप छोड़ने वाली श्रीनिधि शेट्टी इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं।

हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। सिद्धू जोनालागड्डा अभिनीत तेलुसु काडा के बाद यह उनकी दूसरी तेलुगु फिल्म है। हिट 3 का निर्माण प्रशांति टिपिरनेनी द्वारा वॉल पोस्टर सिनेमा के तहत, यूनिनस प्रोडक्शंस के साथ मिलकर किया जा रहा है।

मिकी जे मेयर इस एक्शन ड्रामा के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं। शैलेश कोलानू के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग फिलहाल विजाग में चल रही है। ताजा चर्चा यह है कि केजीएफ में

हुमा कुरैशी की मिथ्या: द डार्कर चैप्टर का ट्रेलर जारी

हुमा कुरैशी इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज मिथ्या:द डार्कर चैप्टर को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। यह 2022 में आई मिथ्या की दूसरी किस्त है। हुमा एक बार फिर जूही अधिकारी बन दर्शकों का मनोरंजन करती हुई नजर आएंगी। अब निर्माताओं ने मिथ्या: द डार्कर चैप्टर का ट्रेलर जारी कर दिया है, जो सस्पेंस से भरपूर है और इसे प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं। मिथ्या: द डार्कर चैप्टर की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है।

मिथ्या: द डार्कर चैप्टर का प्रीमियर 1 नवंबर, 2024 से ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर होने जा रहा है। जी5 ने ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, क्या होगा जब आपके अतीत के रहस्य आपके वर्तमान को परेशान करने के लिए वापस आएंगे? जूही को यह पता चलने वाला है।इस सीरीज में हुमा के अलावा अवंतिका दासानी, नवीन कस्तूरिया, रजित कपूर, इंद्रनील सेनगुप्ता और कृष्णा बिष्ट जैसे सितारे भी नजर आएंगे। कपिल शर्मा ने इस वेब सीरीज का निर्देशन किया है।

इस बारे में बात करते हुए हुमा ने एक बयान में कहा, मैं मिथ्या की वापसी से रोमांचित हूं। इस शो ने मुझे एक अभिनेता के रूप में अपने एक अलग पक्ष को तलाशने के लिए प्रेरित किया है – एक ऐसा व्यक्ति जो परिस्थितियों के कारण कमजोर और प्रतिशोधी है। मैं इस रोमांचक, दमदार भूमिका के लिए मेरे बारे में सोचने के लिए निर्माताओं का आभारी हूं और अपने किरदार के जीवन के अगले अध्याय का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

अवंतिका ने साझा किया, यह शो मेरा पहला शो था, और इसने मेरे लिए व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों तरह से बहुत कुछ बदल दिया है। मैं इतनी शानदार टीम के साथ काम करने के लिए अविश्वसनीय रूप से आभारी हूं, और सबसे कम उम्र की होने के नाते, मैंने पूरी कास्ट से बहुत कुछ सीखा है। रिया एक जटिल और दिलचस्प किरदार है, और यह सीज़न उसके सफ़र को नई ऊंचाइयों पर ले जाता है क्योंकि वह बदला और विश्वासघात से जूझती है।

नवीन ने नए सीज़न के बारे में बात की और कहा, इतने सफल पहले सीज़न वाले शो का हिस्सा बनना एक खुशी और ज़िम्मेदारी दोनों है, और मैं इसे निभाने के लिए उत्साहित हूं। यह भूमिका मेरे द्वारा पहले किए गए किसी भी किरदार से अलग है – यह दर्शकों के लिए कुछ नया और दिलचस्प है। मैं हुमा कुरैशी और रजित कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करने को लेकर खास तौर पर रोमांचित हूं, दोनों ही बेहतरीन कलाकार हैं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करने में मुझे बहुत मज़ा आया।

रोजाना फूलगोभी खाने से हो सकती हैं ये गंभीर बीमारियां

आजकल सब्जी मंडी में ताजी फूलगोभी आने लगी है। फूलगोभी कई विटामिनों से भरपूर होती है और सेहत के लिए फायदेमंद होती है। फूलगोभी में ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो शरीर को स्वस्थ बनाने में मदद करते हैं। फूलगोभी में विटामिन सी, विटामिन ए और विटामिन बी जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। हालांकि, रोजाना फूलगोभी खाने से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। इसलिए कुछ लोगों को फूलगोभी खाने से मना किया जाता है। फूलगोभी खाने से पेट फूलना, गैस और एसिडिटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जानिए किन लोगों को फूलगोभी नहीं खानी चाहिए?

इन लोगों को नहीं खानी चाहिए फूलगोभी: गैस और सूजन की समस्या- जिन लोगों को अक्सर खान-पान की वजह से गैस और एसिडिटी की समस्या रहती है। उन्हें फूलगोभी का सेवन कम से कम करना चाहिए। फूलगोभी में कार्बोहाइड्रेट होता है, जो पाचन से जुड़ी समस्याओं को बढ़ा सकता है। फूलगोभी की सब्जी या पराठा खाने के बाद आपको गैस और सूजन की समस्या हो सकती है। इसलिए फूलगोभी का सेवन न करें।

थायराइड में फूलगोभी न खाएं- अगर आपको थायरॉइड की समस्या है तो फूलगोभी न खाएं। इससे आपकी परेशानी बढ़ सकती है। फूलगोभी खाने से थायरॉइड ग्रंथि की आयोडीन इस्तेमाल करने की क्षमता कम हो जाती है। इससे परेशानी हो सकती है। फूलगोभी खास तौर पर ञ3 और ञ4 हार्मोन के स्तर को प्रभावित कर सकती है। इसलिए थायरॉइड के मरीजों को फूलगोभी का सेवन कम से कम करना चाहिए।

पथरी होने पर फूलगोभी न खाएं- पथरी होने पर भी फूलगोभी का सेवन नहीं करना चाहिए। यह नुकसानदायक हो सकता है। खासकर अगर आपके पित्ताशय और किडनी में पथरी है तो आपको फूलगोभी खाने से बचना चाहिए। फूलगोभी में कैल्शियम होता है जो पथरी की समस्या को बढ़ा सकता है।

ब्लड क्लॉटिंग की समस्या होने पर - अगर आपको ब्लड क्लॉटिंग की समस्या है तो फूलगोभी का सेवन बिल्कुल न करें। फूलगोभी में पोटैशियम की मात्रा बहुत अधिक होती है जो शरीर में खून को गाढ़ा कर सकता है। इसलिए फूलगोभी का सेवन सीमित करें या बिल्कुल न खाएं।

प्रेग्नेंसी में फूलगोभी न खाएं - प्रेग्नेंसी में भी आपको फूलगोभी का सेवन करने से बचना चाहिए। इससे कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। खासकर प्रेग्नेंसी में इससे गैस, एसिडिटी और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए फूलगोभी से परहेज करना जरूरी है।

रंग बिरंगी आतिशबाजी से आसमान हुआ सतरंगी

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर 11 हजार दीपों से रौशन हुआ एकात्म पथ

मुख्यमंत्री साय ने श्रमिकों और सफाई कर्मियों को मिठाईयां और उपहार देकर बांटी दीपोत्सव और राज्योत्सव की खुशियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य की 24 वीं वर्षगांठ और दीपावली के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय नया रायपुर के एकात्म पथ पर आयोजित 11,000 दीपों के प्रज्वलन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने मंत्रोच्चार के बीच विधि विधान से दीप प्रज्वलित किया। यह आयोजन राज्य की सांस्कृतिक धरोहर और एकता का प्रतीक है, जिससे छत्तीसगढ़ की संस्कृति को प्रदर्शित किया गया। दीपों की रौशनी से नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ, जो राज्य के गौरव को बढ़ाएगा ।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरूण साव, विधायक पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, गुरु खुशवंत साहेब, इंद्र कुमार साहू, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद और बसव राजू एस.सहित अनेक जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी, गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

इस मौके पर एकात्मपथ में 11 हजार दीप प्रज्वलित किए गए। छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर नया रायपुर के कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन के साथ शानदार आतिशबाजी और रंग-बिरंगी लाइटों ने सभी को रोमांचित कर दिया। इस अवसर पर मधुर संगीत की धुनों ने माहौल को और भी मनोरम बना दिया। स्थल पर आकर्षक रंगोली सजाई गई थी, और स्थापना दिवस के प्रतीक चिन्हों के साथ सेल्फी पॉइंट पर लोगों ने सेल्फी लेकर खुशी जताई। इस अवसर पर नवा रायपुर में नवनिर्मित सीबीडी रेलवे स्टेशन के पास आयोजित कार्यक्रम में और एकात्मपथ पर श्रमिकों और सफाईकर्मियों को दीपावली के उपलक्ष्य में मिठाईयां वितरित कर शुभकामनाएं दीं।

छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना 1 नवंबर 2000 को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में मध्य प्रदेश से अलग करके की गई थी, यह राज्य पुनर्गठन भारत के राजनीतिक और प्रशासनिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। छत्तीसगढ़ की स्थापना के पीछे का मुख्य उद्देश्य इस क्षेत्र में विकास की गति को तेज करने के साथ यहां की विशिष्ट सांस्कृतिक और भाषाई पहचान को मान्यता देना और लोगों को बेहतर प्रशासनिक सुविधा प्रदान करना था। आज, राज्य अपनी 24वीं स्थापना वर्षगांठ मना रहा है और अपनी समृद्ध संस्कृति और विविधता के साथ देश की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह दिन राज्य के लोगों के लिए गर्व और उत्सव का अवसर है।

मुख्यमंत्री ने नवा रायपुर में सफाई कर्मियों के साथ बांटी दीवाली की खुशियां

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवा रायपुर में सफाई कर्मियों के साथ दीवाली की खुशियां मनाई और उन्हें अपनी ओर से मिठाई और उपहार दिए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सफाई कर्मियों के बच्चों को बड़े अपनत्व और स्नेहिल भाव से दुलारा एवं उन्हें चॉकलेट प्रदान किए। इस दौरान उप मुख्यमंत्री अरूण साव, विधायक मोती लाल साहू उनके साथ थे।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राज्य स्थापना दिवस के मौके पर एकात्म पथ में 11 हजार दीपों के प्रज्जवलन कार्यक्रम शामिल होने के लिए नवा रायपुर जा रहे थे। इसी बीच सीबीडी स्टेशन के पास सफाई कर्मियों को देखकर मुख्यमंत्री रूके और उनसे मुलाकात कर दीवाली की बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी सफाई कर्मियों को अपनी ओर से मिठाई और उपहार भी दिए। मुख्यमंत्री ने सफाई कर्मियों से उन्हें शासन की ओर से मिलने वाले मानदेय और अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर नगर निगम आयुक्त अविनाश मिश्रा उपस्थित थे।

प्रदेश में नई औद्योगिक नीति हुई लागू

कोरबा, बिलासपुर और रायपुर में बनेगा इंडस्ट्रियल कॉरीडोर

अग्निवीरों, नक्सल पीड़ित और तृतीय लिंग के लिए स्पेशल पैकेज

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। प्रदेश की नई औद्योगिक नीति 1 नवंबर से लागू हो गई है। 28 अक्टूबर को प्रदेश सरकार की कैबिनेट ने इसे मंजूरी दी थी। यह नीति 31 मार्च 2030 तक के लिए लागू की गई है। नई नीति में तय किया गया है कि सर्विस सेक्टर के उद्योग स्थापना को बढ़ावा दिया जाएगा। उद्योग लगाने के लिए कई वर्ग को खास छूट भी दी जाएगी। नई नीति में तय किया गया है कि राज्य के कोरबा, बिलासपुर, रायपुर में सेंट्रल इंडिया का उन्नत इंडस्ट्रियल कॉरिडोर तैयार किया जाएगा। इसके तहत इन तीनों शहरों में ट्रेन, एयर कनेक्टिविटी, सड़कों की सुविधा, पानी, बिजली और उद्योग लगाने के लिए जमीन मुहैया करवाने पर जोर दिया जाएगा।

इन वर्ग के लोगों को दी जाएगी विशेष छूट

कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने बताया कि नई औद्योगिक नीति में राज्य के युवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर एक हजार से अधिक रोजगार के प्रोजेक्ट शुरू करने का प्रावधान किया गया है। बी-स्पोक पैकेज भी यूथ को दिया जाएगा। राज्य के अनुसूचित जाति, जनजाति, महिला उद्यमियों, सेवानिवृत्त अग्निवीर सैनिक, भूतपूर्व सैनिकों, जिनमें पैरामिलिट्री भी शामिल हैं, को जमीन, बिजली, पानी की सुविधाओं में छूट दी जाएगी। नक्सल प्रभावित, कमजोर वर्ग, तृतीय लिंग के उद्यमी भी नई औद्योगिक पॉलिसी के तहत विशेष प्रोत्साहन के पात्र होंगे, उन्हें भी उद्योग लगाने पर कई सुविधाओं में छूट मिलेगी।

नीति में और क्या-क्या प्रावधान हैं ?

सरकार ने ब्याज अनुदान, लागत पूंजी अनुदान, स्टांप शुल्क छूट, विद्युत शुल्क छूट, वैल्यू एडेड टैक्स का प्रावधान किया है। नई नीति में मंडी शुल्क छूट, दिव्यांग (निशक्त) रोजगार अनुदान, पर्यावरणीय प्रोजेक्ट अनुदान, परिवहन अनुदान, नेट राज्य वस्तु एवं सेवा कर में भी छूट देने के प्रावधान हैं। नई औद्योगिक नीति भारत सरकार के विजन 2047 पर फोकस की गई है। राज्य के प्रशिक्षित लोगों को रोजगार से जोड़ने के लिए उद्योगों के लिए प्रति व्यक्ति 15 हजार रुपए का ट्रेनिंग फंड देने का नियम बनाया गया है। माइक्रो, स्मॉल, मीडियम इंटरप्राइजेस (सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्योग) को लेकर पहली बार नई औद्योगिक नीति में सर्विस सेक्टर पर फोकस किया गया है। इंजीनियरिंग सर्विसेस, रिसर्च एंड डेव्हलपमेंट सेक्टर, पर्यटन एवं मनोरंजन सेक्टर को स्पेशल पैकेज दिया जाएगा। सरगुजा और बस्तर संभाग में होम-स्टे सेवाओं को भी शामिल किया गया है।

नई औद्योगिक नीति में फार्मास्यूटिकल, टेक्सटाइल, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण (एग्रीकल्चर फूड प्रोसेसिंग) गैर काष्ठ वनोत्पाद (नॉन वुड फॉरेस्ट प्रोडक्ट), कम्प्रेस्ड बॉयो गैस, ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, आर्टिफिशियल इंटीलिजेंस (ए.आई), रोबोटिक्स एण्ड कम्प्यूटिंग (जी.पी.यू), प्ज्, डेटा सेंटर, जल विद्युत परियोजनाओं, सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है।

यंग आंत्रप्रेन्योर को मिलेगा लोन

इस नीति में यंग आंत्रप्रेन्योर को लोन देने का नियम भी बनाया गया है। वाणिज्य, उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा की युवाओं को अपना स्वयं का व्यवसाय कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए उद्यम क्रांति योजना का प्रावधान है। इस योजना के अंतर्गत राज्य के शिक्षित युवा बेरोजगारों अनुदान (आर्थिक सहायता) के साथ ऋण देने का प्रावधान है।

जहां उद्योग नहीं लगे वहां दिया जाएगा विशेष फोकस ध्यान

नई नीति में विकासखंडों को 3 समूहों में बांटा गया है। जिसके अंतर्गत पहला समूह विकासशील का है इसमें 10 विकासखंड हैं। यहां उद्योगों का काम हो रहा है। दूसरा समूह ऐसा है जहां काम हुआ, लेकिन कम हुआ। इसमें 61 विकासखंड हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर दीप जलाकर बधाई दी

धमतरी। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर ग्राम नवागांव कंडेल के शिक्षक साथियों ने एक दीप पूर्व सेवा गणना के नाम पर जलाया। व 1 नवंबर छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस हुआ व यह दिन अशासकीय से शासकीय शिक्षक बनने का दिन भी रहा है इस दिन को शिक्षकों के संघर्ष पर सरकार व शासन से लाभ दिवस के रूप में भी सभी संवीलियन शिक्षक साथी इस दिन को ऐतिहासिक दिवस मानते हैं यह संपूर्ण शिक्षक साथियों के लिए पूर्ण स्वाभिमान दिवस के रूप में भी मानते हैं आज पूरे छत्तीसगढ़ के शिक्षक साथियों ने अपनी मांग के संबंध में एक दीप जलाकर दीपावली व छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की बधाई दी। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन डॉ,गणेश प्रसाद साहू होकर अपनी मांग के संबंध में आह्वान किया गया।

सियान सदन पुरानी बस्ती के सदस्यों का हुआ दीपावली सेलिब्रेशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। दीपावली मिलन का आयोजन कर सियान सदन के सदस्यों ने सेलिब्रेशन किया, एक दूसरे दीप पर्व की बधाई देते हुए मुंह मीठा कराया।

पुरानी बस्ती स्थित सियान सदन के वरिष्ठ सदस्य मुरीतराम साहू की ओर से निहारिका क्षेत्र स्थित अपने प्रतिष्ठान में दीपावली मिलन का आयोजन किया गया। सियान सदन पुरानी बस्ती से जुड़े सदस्यों इस सेलिब्रेशन का भरपूर आनंद उठाया। सभी ने एक दूसरे को दीपावाली की शुभकामनाएं भी दी और स्वल्पाहार किया। दीपावली मिलन समारोह में शहर से संबंधित गंभीर मुद्दों पर भी चर्चा हुई और निर्णय लिया गया कि पर्यावरण को बचाने अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम सियान सदन पुरानी बस्ती की ओर से चलाया जाएगा। इसकी शुरुआत सभी सदस्य अपने आस पास के क्षेत्रों से करेंगे और आमजनो को भी इस कार्यक्रम से जोड़ेंगे। पुरानी बस्ती सियान सदन के वरिष्ठ सदस्य मुरीतराम साहू ने इस मौके पर कहा कि सियान सदन की बदौलत आज हम सब पुराने साथी यहां एकत्रित हुए हैं. निश्चित ही पार्षद धरम निर्मले की सियान सदन पुरानी बस्ती में निगम से उपलब्ध कराने की सराहनीय और अहम भूमिका रही हैं। यह सदन प्रति दिन हमारे उठने बैठने और मनोरंजन का सहारा बन गया हैं। पुराने व नए साथी से सदन में मेल मुलाकात नई उर्जा का संचार करता है।

वरिष्ठ सदस्य धरम निर्मले ने कहा कि कहा कि हमें भगवान राम के आदर्शो को अपने जीवन में उतार कर बड़े भाई का कर्तव्य व भरत की भांति छोटे भाई का धर्म निभाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशे की लत से युवाओं को दूर रहने की सलाह दी जानी चाहिए, उन्हें अच्छे आयोजन के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। मिलन समारोह में पहुंचे सभी सदस्यों को श्री साहू ने गिफ्ट भी प्रदान किया।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

रेलवे लाइन के काम में लगी कंपनी से लाखों की सीमेंट चोरी 9 गिरफ्तार

कोरबा। कोरबा के दीपका क्षेत्र में सिमेंट चोरी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिसमें कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी दीपका के निवासी है। दीपका पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए दो ट्रेक्टरों में लोड चोरी का सिमेंट बरामद कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार रेलवे लाईन के काम में लगी जेटवर्क कंपनी के देवगांव स्थित बेचिंग प्लांट से 30 अक्टूबर की रात सिमेंट की चोरी कर ली गई थी। कंपनी के ही तीन कर्मचारियों ने कुछ लोगों की सहायता से चोरी करवाई थी। कंपनी के स्टोर इंचार्ज की शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कंपनी के सुपरवाईजर सहित दो साईट इंचार्ज सहित चोरी में सहायता करने के साथ ही चोरी का सिमेंट खरीदने वाले कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के साथ ही दो ट्रेक्टर में लोड चोरी का 400 बोरी सिमेंट दो ट्रैक्टर और 55 हजार जप्त कर लिया है। आरोपियों के खिलाफ पुलिस द्वारा जरुरी कार्रवाई की जा रही है।

अर्धनग्न अवस्था में जला हुआ शव मिलने से फैली सनसनी, मृतक की पहचान करने में जुटी पुलिस

कोरबा। रविवार की सुबह कटघोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत हुंकरा पहाड़ी के पास एक अज्ञात युवक की अधजली लाश मिलने से हड़कंप मच गया। इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतक कौन है अभी इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है।

बताया जा रहा है कि गांव से लगे पहाड़ी के पास सुबह शौच के लिए कुछ ग्रामीण गए हुए थे। इसी दौरान अचानक पहाड़ी के पास शव पर नजर पड़ी और इसकी जानकारी गांव के सरपंच को फोन द्वारा दी। सरपंच ने मौके पर पहुंचकर कटघोरा पुलिस को सूचना दी। शव की शिनाख्त नहीं हो पाई। घटना स्थल पर साइकिल मिली है। आशंका जताई जा रही है कि कुछ युवक यहां रात्रि शराब पीने आए होंगे और आपसी विवाद में इस घटना को अंजाम दिया गया होगा। शव को पेट्रोल से जलाया गया है और जलाने के बाद शव को उठाकर पहाड़ी के पीछे नीचे फेंक दिया गया है।

दर्दनाक हादसा : बिलासपुर में गर्भवती महिला की मौत, टुल्लू पंप रखने के दौरान लगा करंट

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां के सकरी में एक गर्भवती महिला की करंट लगने से मौत हो गई। महिला टुल्लूपप रख रही थी इस दौरान उसे करंट का झटका लगा। हादसे में महिला के गर्भस्त शिशू की भी मौत हो गई। घटना से परिवार में मातम का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार सरिता केंवट पति श्रवण केंवट प्रसव के लिए अपने मायके आई हुई थी। यहां पानी भरने के बाद वो टुल्लू पंप को उठाकर रख रहीं थी। इसी दौरान सरिता करंट की चपेट में आ गई। इसके बाद परिजन अस्पताल लेकर गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सरिता केंवट तीसरी बार मां बनने वाली थी। उसकी पहले से दो बेटियां हैं।

गौरा-गौरी पर दोस्तों से विवाद, हत्या के आरोपी को चाकू गोदा, अस्पताल पहुंचने से पहले हुई मौत

बिलासपुर जेल से छूटा था मृतक, भिलाई के लक्ष्मी नगर में मर्डर, आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला थाना क्षेत्र में शनिवार की शाम हत्या के आरोपी की उसके दोस्त ने चाकू गोदकर हत्या कर दी। लक्ष्मी नगर सुपेला के पुराने देशी शराब भट्टी के पास कचरे के ढेर में युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किया गया। इसके बाद आरोपी फरार हो गया। गंभीर हालत में उसे सुपेला शास्त्री अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं मामले में पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार यह घटना सुपेला थाना क्षेत्र के अंतर्गत लक्ष्मी नगर पुराने देशी शराब भट्टी के पास शाम 6:30 बजे आसपास की है। मृतक की पहचान कृष्णा नगर का निवासी धीरज महानंद उर्फटकला के रूप में हुई है। धीरज महानंद हत्या के मामले में बिलासपुर जेल से छूटकर आया था। बताया जा रहा है कि गौरा-गौरी पूजा के दौरान धीरज महानंद (25) और उसके दोस्तों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। यहां पर धीरज ने कटर लहराते रौब दिखा रहा था। इस दौरान उसने कटर से एक दोस्त पर हमला कर दिया।

इस बात से नाराज धीरज के दोस्तों ने उसे मारने के लिए दौड़ाया, जिसके बाद मौके से जान बचाकर भागते हुए धीरज लक्ष्मी मार्केट के पीछे कचरे के ढेर के पास छिप गया। लेकिन उसके दोस्तों वहां भी पहुंच गए। इसके बाद धीरज के एक दोस्त ने उस पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ 15 -16 वार कर दिए। हमला करने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। आस-पास मौजूद लोगों ने उसे लाल बहादुर अस्पताल सुपेला पहुंचाया, लेकिन इससे पहले ही उसने दम तोड़ दिया था। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई हे। सीसी टीवी फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

एएसपी राठौर व सीएसपी तिवारी स्वयं पहुंचे मौके पर

हत्या की जानकारी मिलते ही दुर्ग सिटी एएसपी सुखनंदन राठौर और सीएसपी भिलाई नगर सत्य प्रकाश तिवारी भी मौके पर पहुंचे थे। उनके साथ वहां सुपेला पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम भी मौजूद थी। फोरेंसिक टीम ने क्राइम स्पॉट से कुछ सबूत जुटाए हैं। सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। एएसपी सिटी सुखनंदन राठौर ने बताया कि धीरज ने बिलासपुर जिले के सरकंडा थाना क्षेत्र में हत्या की एक वारदात को अंजाम दिया था। इसी मामले में वो जेल में बंद था और कुछ दिन पहले ही बाहर आया था। रविवार शाम करीब पांच बजे जानकारी मिली कि उसकी हत्या हो गई है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को जल्द पकड लिया जाएगा।

मामूली विवाद के चलते युवक की हत्या दो आरोपियों को पुलिस ने भेजा जेल

धमतरी। जिले में अर्जुनी और साइबर पुलिस ने मामूली विवाद के चलते हत्या करने वाले दो आरोपी युवकों को गिरफ्तार किया है। बताया गया कि महेन्द्रपुरी गोस्वामी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया था कि उसका लड़का अमितपुरी गोस्वामी ग्राम मुजगहन निवासी 31 अक्टूबर को घर से अकेले निकला था। वहीं एक नवंबर को गांव के ही नयातालाब पानी में उसकी लाश मिली थी। जिसके सिर में चोट के निशान थे जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाही में जुट गई थी।

वहीं पीएम रिपोर्ट में डॉ ने मौत का कारण सिर की हड्डी फेक्चर होने के बताया। जिस पर पुलिस ने मुखबिर और अन्य साक्ष्यों के आधार पर ग्राम मुजगहन के दीपांशु उर्फदीप साहू और विकास कुमार साहू दोनों निवासी ग्राम मुजगहन को हिरासत में लेकर पूछताछ किया। दोनों आरोपियों ने महेन्द्रपुरी गोस्वामी की हत्या करना स्वीकार किया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि महेन्द्रपुरी गोस्वामी के घूरने की बात को लेकर दीपांशु उर्फदीप साहू और विकास कुमार साहू से वादविवाद हो गया था जिसपर दोनों आरोपियों ने मृतक के सिर पर पत्थर से हमला कर मार दिया और तालाब में फेंक कर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

घरेलू विवाद के बाद परामर्श केन्द्र पहुंचे पति पत्नी, पति ने खाया जहर, इलाज के दौरान मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ के कोरबा जिले में पति पत्नी के बीच विवाद जानलेवा बन गया। विवाद सुलझाने परामर्ष केन्द्र पहुंचे पति ने जहर खा लिया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना जिले के रामपुर स्थित परिवार परामर्श केंद्र का है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार 41 वर्षीय छतराम मुल्तान बाराद्वार का रहने वाला था और अपनी पत्नी और बच्चों के साथ खरमोरा स्थित इंडस्ट्रियल एरिया में फैक्ट्री में काम करता था वहीं एक किराये के मकान पर रहता था। पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद हुआ करता था एक माह पहले पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था पत्नी ने इसकी शिकायत सिविल लाइन थाना पुलिस से की थी जहां मामला परिवार परामर्श केंद्र में जा पहुंचा।

इस घटना के बाद पत्नी अलग रहने लगी। एक दिन पहले दोनों को परामर्श केंद्र में बुलाया गया। बताया जा रहा है कि छत राम शराब के नशे में काउंसलिंग कराने पहुंचा। नषे में होने से काउंसलिंग नहीं हुई। इसके बाद दोनों वापस जाने लगे। इस बीच सिविल लाइन से कुछ दूरी स्थित रामपुर आईटीआई चौक पर छत राम ने जहर खा लिया। राहगीरों ने इसकी सूचना सिविल लाइन थाना पुलिस को दी जहां तत्काल उसे जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि छत राम ने जहर कब कैसे और किन परिस्थितियों में पिया है ये अभी जांच का विषय है।

बिल्डिंग के नीचे रखी पांच गाड़ियां व साइकिल जलकर खाक, शॉर्ट सर्किट से हादसे का अंदेशा

■ सेक्टर-2 भिलाई के सड़क 16 में हुआ हादसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई भट्टी थाना क्षेत्र के सेक्टर-2 में शनिवार तडके भीषण आग लग गई। सेक्टर 2 सड़क नंबर 16 की बिल्डिंग के नीचे रखी 5 गाड़ियां और एक साइकिल आग में जलकर खाक हो गई। घटना सुबह 4 से 5 बजे के बीच की बताई जा रही है। सुबह मॉर्निंग वाक पर निकले लोगों ने गाड़ियों को जलते हुए देखा तो तत्काल इसकी सूचना बीएसपी के फायर ब्रिगेड को दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। फिलहाल भिलाई भट्टी पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की सुबह 4 से 5 बजे के बीच लोगों ने गाड़ियों जलते देखा। गाड़ियों के साथ मौके पर एक साइकिल भी जल गई। लोगों ने जब बीएसपी की फायर ब्रिगेड को सूचना दी तो कुछ देर में टीम पहुंची और आग पर काबू पाया। घटना की सूचना भट्टी थाना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची टीम आग के कारणों का पता लगाने में जुट गई है। बताया जा रहा है कि आग लगने का कारण बिल्डिंग में शॉर्ट सर्किट है। पुराने व जर्जर हो चुके बोर्ड में शॉर्ट सर्किट हुआ और इसके बाद आग लगी जिसमें गाड़ियां झुलस गई। फिलहाल भिलाई नगर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तेज रफ्तार स्कार्पियो अनियंत्रित होकर डबरी में घुसी, चालक सहित 8 की मौत

■ बलरामपुर रामानुजगंज जिले का मामला, दिवाली मनाकर लौट रहे थे सभी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। बलरामपुर रामानुजगंज जिले के राजपुर में बीती रात एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पानी से भरे डबरी में जा घुसी। हादसे में चालक सहित 8 लोगों की मौत हो गई है। स्कार्पियो सवार सभी दिवाली मनाकर लौट रहे थे इस दौरान यह हादसा हुआ। मरने वालों में एक ही परिवार के चार लोग भी शामिल हैं। हादसे के बाद देर रात तक शवों को निकालने का सिलसिला जारी रहा। स्कार्पियो का चालक गंभीर रूप से घायल था जिसने अस्पताल में दम तोड़ दिया। फिलहाल पुलिस घटना की जांच कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार यह हादसा राजपुर-कुसमी मार्ग पर ग्राम लडुवा के पास हुआ है। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो शाम 8.30 बजे अनियंत्रित होकर सड़क किनारे डबरी में जा घुसी। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना राजपुर पुलिस को दी। पुलिस और स्थानीय लोगों ने डबरी में डूबे स्कॉर्पियो को जेसीबी की मदद से बाहर निकाला। इसके बाद राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद स्कॉर्पियो के दरवाजे लॉक हो गए थे, जिससे लोग बाहर नहीं निकल पाए। इसके कारण इनकी जान चली गई।

सभी मृतक सूरजपुर जिले के थे निवासी

बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो सवार सभी कुसमी क्षेत्र के लरिमा से सूरजपुर जाने के लिए निकले थे। सभी दिवाली मनाकर वापस लौट रहे थे इस दौरान यह हादसा हो गया। 7 मृतकों में एक परिवार के तीन और एक परिवार के चार सदस्य थे। हादसे में चालक बालेश्वर प्रजापति गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसने भी दम तोड़ दिया।। हादसे में चंद्रावती पति संजय मुंडा, कृति पिता संजय मुंडा, संजय मुंडा पिता वासुदेव, उदयनाथ पिता रामेश्वर, मंगल दास पिता धनश्याम मुंडा, भूपेंद्र पिता हरिलाल व अवनीत की मौत हो गई है। सभी 8 शवों को मर्च्युरी में रखवा दिया गया है। रविवर को शवों का पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। हादसे की सूचना पर मृतकों के परिजन रात को ही राजपुर पहुंच गए।

तेज रफ्तार ट्रेलर वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार की हुई मौत, चालक फरार

कोरबा। दीपका थाना अंतर्गत तिवरता कोसाबाड़ी के पास तेज रफ्तार ट्रेलर वाहन ने बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में बाइक सवार की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। देखते ही देखते राहगीरों के भीड़ एकत्रित हो गई और इसकी सूचना तत्काल दीपक थाना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंच घटनाक्रम की जानकारी ली गई। मृतक का नाम खिलेन्द्र चौबे है और वह बांधाखार नुनेरा में का रहने वाला था।

बताया जा रहा है कि सुबह बाइक में मृतक किसी काम से दीपका जा रहा था। इस दौरान तेज रफ्तार ट्रेलर वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया और उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद राजगीरों ने ट्रेलर वाहन को पकड़ना चाहा लेकिन वह फरार हो गया। दीपिका थाना प्रभारी प्रेमचंद साहू ने बताया कि घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पोस्टमार्टम के लिए शव को अस्पताल के लिए रवाना किया।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में

मामला क्रमांक: 202410101000144

विषय:- ब-121 मामले की श्रेणी:- राजस्व सन:- 2024-2025, खेदामारा प.ह.न. 00011 [(हे0)]

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - सी.बीजू (अन्य 2), अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

आवेदक - सी. बीजू (अन्य 2) पिता/पति/विभाग स्व.पी.एन. चंद्रशेखरन पता- महादेव कालोनी भिलाई ग्राम खेदामारा प.ह.न. 11 रा.नि.म. जेवरा सिरसा तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वमी हक की भूमि ख.न. 534/2, 537/1, 541/2, 544/7, 534/8-9, 539/1, 541/17, 1066/1, 1075 रकबा 0.101, 0-08, 0.08, 0.096, 0.02, 0.040, 0.010, 0.010, 0.565, 0.010 हे. भूमि का मूल ऋण पुस्तिका गुम जाने के कारण द्वितीय प्रति ऋणपुस्तिका प्रदाय किये जाने बाबत न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 14/11/2024 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 22/10/2024 को जारी किया जाता है।

GURUDATT PANCHBHAYE
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

कोंडागांव में उत्तराखंड का नकली नोट सप्लायर गिरफ्तार, 500-500 के नोट जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में पुलिस ने नकली नोट के साथ उत्तराखंड के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 500-500 के 9 नकली नोट मिले हैं। दिवाली त्योहार के दौरान नकली नोट को खपाने की साजिश थी, लेकिन पुलिस ने आरोपी को धर दबोचा। मामला फरसगांव थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, कुछ दिनों पहले पुलिस ने ग्राम गुहाबोरांड निवासी 32 वर्षीय राजेश सोरी को 1 लाख 5 हजार रुपए के नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया था, लेकिन मेन सप्लायर उत्तराखंड के रुद्रपुर का निवासी प्रेमानंद सरकार उर्फ मोना मंडल फरार था। आरोपी के पास से 4500 रुपए बरामद किया गया है।

पुलिस ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि नकली नोट सप्लायर प्रेमानंद सरकार कोंडागांव आया है, जिसके बाद पुलिस ने टीम बनाकर घेराबंदी की। आरोपी को पकड़कर पूछताछ और तलाशी ली। तलाश के दौरान आरोपी के पास से नकली नोट मिले। पुलिस ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मेन सप्लायर से पूछताछ की जा रही है कि कहां नकली नोट छापे जा रहे हैं। इसके बाद पुलिस की टीम छापेमारी करेगी। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने जेल भेज दिया है। पुलिस जल्द नकली नोटों के इस अंतरराज्यीय नेटवर्क का खुलासा कर सकती है।

बस्तर ओलंपिक-24 के प्रतीक चिन्ह और मस्कट का मुख्यमंत्री साय ने किया अनावरण

नक्सल हिंसा में दिव्यांग व्यक्तियों और आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए भी खेल स्पर्धाएं होंगी आयोजित

- मुख्यमंत्री ने बस्तर ओलम्पिक की तैयारियों की समीक्षा की
- बस्तर क्षेत्र के युवाओं को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य से किया जा रहा है आयोजन
- गृह विभाग और खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा किया जा रहा है आयोजन
- संभाग स्तरीय विजेता होंगे बस्तर के यूथ आइकॉन
- अब तक 1 लाख 65 हजार से अधिक युवा प्रतिभागियों ने कराया अपना पंजीयन

बस्तर ओलंपिक में इन खेलों में होंगी स्पर्धाएं

बस्तर ओलंपिक में 11 खेल विधाओं के अंतर्गत खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन विकासखण्ड, जिला और संभाग स्तर पर किया जा रहा है। जिनमें एथलेटिक खेल में 100मी., 200मी. 400मी. दौड़, लंबीकूद, ऊंचीकूद, शॉटपूट, डिस्कस थ्रो, जैवेलिन थ्रो एवं रिले रेस, इस प्रकार नौ अलग अलग इवेंट में खिलाड़ी भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त तीरंदाजी इंडियन राउण्ड 30मी., 50मी., बैडमिंटन, फुटबॉल, हॉकी, वेटलिफ्टिंग, कराते, कबड्डी, खो-खो, व्हॉलीबॉल एवं रस्साकसी खेल शामिल होंगे। हॉकी तथा वेटलिफ्टिंग सीधे जिला स्तर से प्रारंभ होगा, शेष सभी खेल विकासखण्ड स्तर से प्रतियोगिता होगी। रस्साकसी प्रदर्शनात्मक होगा, जो सीनियर वर्ग में महिलाओं के लिए आयोजित किया जाएगा। जूनियर वर्ग तथा सीनियर वर्ग में बालक, बालिका, महिला, पुरूष भाग लेंगे। नक्सल हिंसा में दिव्यांग व्यक्तियों तथा आत्मसमर्पित नक्सलियों के विशेष प्रोत्साहन हेतु सीधे संभाग स्तर पर उनकी खेलों में प्रतिभागिता सुनिश्चित कराई जाएगी।

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने यहां अपने निवास कार्यालय में बस्तर ओलंपिक 2024 के लोगो (प्रतीक चिन्ह) और मस्कट (शुभंकर) का अनावरण किया। उन्होंने बस्तर ओलंपिक के दो प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बस्तर क्षेत्र के युवाओं को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने, बस्तर की खेल प्रतिभाओं को सामने लाने और बस्तर की जनता का शासन से मजबूत संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से 5 नवंबर से 10 दिसंबर तक बस्तर ओलंपिक 2024 का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आयोजित वर्चुअल बैठक में बस्तर ओलंपिक की तैयारी की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री अरूण साव और विजय शर्मा, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बैठक में अधिकारियों से खिलाड़ियों के रहने, भोजन, सुरक्षा और चिकित्सा की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को बस्तर में पिछले 9-10 माह में शांति स्थापित करने में काफी हद तक सफलता मिली है, इसमें केंद्र सरकार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक का आयोजन युवाओं को समाज और विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य से किया जा रहा है। बस्तर में खेल काफी लोकप्रिय हैं यही कारण है कि ओलंपिक खेलों के लिए अपेक्षा से अधिक 1 लाख 65 हजार से अधिक लोगों ने अपना पंजीयन कराया है, जो यह दर्शाता है कि इस क्षेत्र के लोग भी शांति चाहते हैं और विकास की मुख्य धारा से जुड़ना चाहते हैं। बस्तर के संवेदनशील क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में महिला-पुरूषों ने पंजीयन कराया है। इसमें महिलाओं और पुरुषों की संख्या लगभग बराबर है। महिलाएं भी विकास की मुख्य धारा में शामिल होना चाहती हैं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि बस्तर ओलंपिक का आयोजन उसकी गरिमा के अनुसार भव्यता के साथ किया जाए। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि इन खेलों में अधिक से अधिक खिलाड़ियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुसार बस्तर को नई दिशा देने के उद्देश्य से इसका आयोजन किया जा रहा है।

बस्तर ओलम्पिक 2024 का प्रतीक चिन्ह और शुभंकर बस्तर की परम्परागत पहचान को समाहित कर किया गया है तैयार: लोगो (प्रतीक चिन्ह)- प्रतीक चिन्ह के बायीं एव दायीं ओर बस्तर क्षेत्र के ख्याति प्राप्त परम्परागत वाद्य यंत्र 'तुरही' को दर्शाया गया है। तुरही बस्तर क्षेत्र में मड़ई मेलों में देवी देवताओं के सम्मान में बजाई जाती है। गांव में सभी को सूचना देने हेतु भी इसका उपयोग किया जाता है। लोगो के मध्य में हिन्दी में 'बस्तर ओलम्पिक 2024' लिखा हुआ है, साथ में इस क्षेत्र के खिलाड़ियों को ओलम्पिक खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने हेतु ओलम्पिक खेल विधा खेल तीरदाजी, हॉकी, भारोत्तोलन, फुटबॉल एवं वालीबॉल के लघु चिन्ह को दर्शाया गया है। लोगो के नीचे की ओर बस्तर क्षेत्र में प्रलचित स्थानीय भाषा- बोली 'गोंडी' में 'करसाय ता बस्तर बरसाय ता बस्तर' का स्लोगन वाक्य लिखा गया है, जिसका हिन्दी में अनुवाद 'खेलेगा बस्तर, बढ़ेगा बस्तर' होता है।

शुभंकर (मस्कट)- बस्तर ओलम्पिक 2024 के शुभंकर में 'वन भैंसा एवं पहाड़ी मैना' को मुख्य रूप से दर्शाया गया है। वन भैंसा राज्य का राजकीय पशु तथा पहाड़ी मैना राजकीय पक्षी है। यह शुभंकर, वन्य जीव संरक्षण के उद्देश्य से तैयार किया गया है। राज्य के दंतेवाडा एवं बीजापुर जिले में वन भैंसा अधिक संख्या में मिलते हैं। बस्तर क्षेत्र के घने जंगलों एवं कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में पहाड़ी मैना मुख्य रूप से पाई जाती है।

शुभंकर में राजकीय पशु 'वन भैंसा' को खेल परिधान (टी-शर्ट) में दर्शाया गया है। वन भैंसा के सींग पर बैठी खुशहाल 'पहाड़ी मैना' खेल प्रतियोगिताओं में भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य को दर्शाता है।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि विकासखण्ड स्तर से लेकर संभाग स्तर पर आयोजन समितियों का गठन किया जा चुका है। सभी संबंधित विभागों ने नोडल अधिकारियों की नियुक्ति कर दी है। राजधानी से लेकर बस्तर संभाग मुख्यालय, जिला मुख्यालयों तथा विकासखण्डों में व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है, ताकि बस्तर क्षेत्र के अधिक से अधिक युवा इसमें भाग ले सकें। विकासखण्ड स्तर एवं जिला स्तरीय आयोजन के संपूर्ण आयोजन सहित संभाग स्तरीय आयोजन की सभी प्रारंभिक तैयारियां कर ली गई हैं।

अधिकारियों ने बताया कि विकासखण्ड स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं शील्ड/मोमेंटो प्रदाय किए जाएंगे। जिला स्तर एवं संभाग स्तर पर दलीय खेलों एवं व्यक्तिगत खेलों में प्रथम स्थान, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को नगद राशि पुरस्कार के साथ प्रमाण पत्र एवं शील्ड/मोमेंटो प्रदाय किये जाएंगे। नगद राशि पुरस्कार डी.बी.टी. के माध्यम से विजेता खिलाड़ियों के बैंक खाते में अंतरित किए जाएंगे। संभाग स्तरीय विजेता खिलाड़ी को 'बस्तर का यूथ आइकॉन' के रूप में स्थापित एवं प्रचारित किया जाएगा।

बैठक में एडीजीपी एस.आर.पी. कल्लूरी, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता, संचालक तनुजा सलाम सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बस्तर संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं जिला स्तरीय अधिकारी वर्चुअल रूप से बैठक में जुड़े।

गोवर्धन पूजा पर मुख्यमंत्री साय ने गौ वंश को गुड़-खिचड़ी खिलाकर की पूजा-अर्चना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गोवर्धन पूजा के अवसर पर अपने निवास की गौशाला में गौवंश की पूजा-अर्चना की और अपने हाथों से खिचड़ी और गुड़ खिलाया। उन्होंने इस मौके पर प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं दी। इस दौरान उप मुख्यमंत्री अरूण साव, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, खेल मंत्री टंकराम वर्मा मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोवर्धन पूजा गौवंश के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन दिन है। भगवान श्री कृष्ण और गौ माता से कामना करता हूं कि प्रकृति प्रेम और परोपकार का यह लोक पर्व सभी के लिए सुख समृद्धि व खुशहाली लेकर आए। गौवंश, खेती और जन-जीवन का महत्वपूर्ण आधार हैं। गोवर्धन पूजा गौवंश की पूजा-आराधना के साथ ही गौवंश की सुरक्षा और सेवा का संकल्प लेने का पर्व है।

मुख्यमंत्री की सहजता ने एक बार फिर सबका मन मोहा

गौवंश की पूजा अर्चना के बाद जब प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया तो मुख्यमंत्री श्री साय ने सबसे पहले गौशाला में गौवंश की सेवा करने वाले गौ सेवक भगवानी यादव को अपने हाथों से मिठाई खिलाकर उन्हें गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री की इस सहजता और सरलता ने एक बार फिर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्यमंत्री ने श्री भगवानी द्वारा किए जा रहे गौसेवा के कार्य की मुक्तकंठ से सराहना की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी लोगों से गौवंश की रक्षा, संवर्धन और संरक्षण के कार्य में भागीदार बनने की अपील की।

दिसम्बर में होने वाली अग्निवीर भर्ती रैली के लिए एडमिट कार्ड जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर छत्तीसगढ़ द्वारा 4 से 12 दिसम्बर 2024 तक रायगढ़ स्टेडियम, रायगढ़ में छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों के पुरुष उम्मीदवारों के लिए अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर तकनीकी, अग्निवीर ऑफिस असिस्टेंट/स्टोर कीपर व अग्निवीर ट्रेड्समेन (दसवी व आठवी) का आयोजन किया जाएगा।

सेना द्वारा 22 अप्रैल 2024 से 03 मई 2024 तक ऑनलाईन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईई) का आयोजन किया गया था। ऑनलाइन परीक्षा में उतीर्ण उम्मीदवार शारीरिक दक्षता सहित और अन्य भर्ती प्रक्रियाओं में भाग ले सकेंगे। रैली में भाग लेने वाले योग्य अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र वेबसाइट और उनकी ई-मेल पर भेज दिया गया है। भर्ती में हिस्सा लेने के लिए एडमिट कार्ड व सभी कागज रैली अधिसूचना के अनुसार और साथ में आधार कार्ड से लिंक मोबाइल भी लेकर आना अनिवार्य है। रैली संबंधी किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर (छ.ग.) शहीद वीर नारायण सिंह अन्तराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के पास अथवा टेलीफोन नम्बर 0771-2965212 पर संपर्क किया जा सकता है।

कार्यालय अधीक्षक आवासीय संस्था कुम्हाररास सुकमा में खनिज न्यास निधि के तहत् विशेष आवश्यकता बाले बच्चों के लिए आवासीय संस्था आकार का संचालन किया जा रहा है, जिसके सुचारू रूप से संचालन करने हेतु आडियोलॉजिस्ट एवं साइकोलॉजिस्ट के पद पर एकमुश्त मानदेय के आधार पर भर्ती किया जाएगा। इस संबंध में आकार अधीक्षक ने बताया कि 13 नवंबर को समय प्रात: 11:00 से 01:00 बजे तक आवेदन जमा एवं समय दोपहर 03:00 बजे वॉक इन इन्टरव्यू के माध्यम से योग्य उम्मीदावारों का चिन्हांकित कर भर्ती किया जाएगा।

डिप्टी सीएम ने बोनस वितरण कर किसानों को दिया तोहफा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दीपावली मिलन समारोह के दौरान गन्ना किसानों को बोनस राशि का चेक वितरित किया, जिससे किसानों में उत्साह और खुशी का माहौल बन गया। बोनस राशि की यह पहल राज्य सरकार की ओर से किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करने और उनके जीवन में समृद्धि लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। गन्ना किसानों ने दीपावली से पहले बोनस राशि मिलने पर छत्तीसगढ़ सरकार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा का आभार व्यक्त किया। किसानों ने कहा कि बोनस राशि से उनकी दीपावली की खुशियां दोगुनी हो गई हैं, और अपने परिवार के साथ उत्सव को और अधिक उल्लास के साथ मना पाएं है।

उपमुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार हमेशा किसानों के हितों के प्रति सजग और समर्पित है। किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, और उनकी प्रगति से ही हमारा राज्य सशक्त बनेगा। इस बोनस राशि के माध्यम से हम उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त कर रहे हैं और भविष्य में भी किसानों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं लाने के प्रति प्रतिबद्ध हैं। समारोह में गन्ना किसानों के चेहरे पर प्रसन्नता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। उपमुख्यमंत्री ने सभी किसानों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए आश्वासन दिया कि सरकार उनके साथ खड़ी है और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सियाराम साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष मनहरण कौशिक, अनिल ठाकुर, कैलाश चंद्रवंशी, चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, मनीराम साहू, बीरेन्द्र साहू, रामकृष्ण साहू, किसान संघ से सुरेश चंद्रवंशी, डोमन चंद्रवंशी, जीवन यादव, दिनेश चंद्रवंशी, ओपी चंद्रवंशी, पिंटू चंद्रवंशी, पंकज वर्मा सहित समस्त किसान संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

लोगों के साथ बाँटी त्यौहारी खुशियां

दीपावली के शुभ अवसर पर कवर्धा के विधायक कार्यालय में भव्य दिवाली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मिलन समारोह में छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा शामिल हुए। समारोह में जिले के कोने-कोने से आए हजारों ग्रामीणों, किसानों, महिलाओं और बच्चों ने अपनी उपस्थिति से इसे ऐतिहासिक बना दिया। सुबह से ही जिले भर के लोग समारोह स्थल पर उपमुख्यमंत्री से मिलने और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं देने के लिए बड़ी उत्सुकता के साथ इकट्ठा होने लगे। समारोह का वातावरण बेहद उत्साहपूर्ण और आनंदमय रहा जिसमें दीपावली की खुशी हर चेहरे पर झलक रही थी। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ने अपने हाथों से मिठाइयां बांटकर सभी का स्वागत किया।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने समारोह में मौजूद नागरिकों का अभिवादन किया और दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी के सुख-समृद्धि और खुशहाल भविष्य की कामना की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि दीपावली अंधकार से प्रकाश की ओर जाने का प्रतीक है और यह पर्व हमारे जीवन में नई आशा और उन्नति का संचार करता है। हमें यही सिखाता है कि चुनौतियों के बावजूद हम सभी एकजुट होकर आगे बढ़ें। कवर्धा में आयोजित इस दिवाली मिलन समारोह ने जिलेवासियों के मन में खुशी और उल्लास का संचार किया, साथ ही उन्हें प्रदेश के नेतृत्व के प्रति विश्वास और समर्थन का भी एहसास दिलाया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950